Postal Regn No./C.G./RYP DN/48/2022-24

website- www.dvpnews.in

रायपुर (छ.ग.) एवं झांसी (उ.प्र.) से एक साथ प्रकाशित राष्ट्रीय हिन्दी पत्र

दैनिक विश्व परिवार

● अंक : 292 ● वर्ष : 12 ● रायपुर, मंगलवार 13 मई 2025 ● पृष्ठ : 08 ● मूल्य : 3 रूपए ● संस्थापक : कीर्तिशेष- श्री कैलाश चन्द्र जैन

सुविचार

उस ओर कभी भी मत जाओ, जिस ओर तुम्हारे चरित्र में पतन होने का खतरा हो।

Never go towards that direction where is danger for decline of your character.

आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज

प्रधानमंत्री मोदी बोले- 'पानी और खून एक साथ नहीं बहेगा'

न्यूक्लियर ब्लैकमेलिंग नहीं सहेंगे; पाकिस्तान के खिलाफ कार्रवाई सिर्फ स्थगित, हमला हुआ तो देंगे मुंहतोड़ जवाब

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तान के साथ सीजफायर के 51 घंटे बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार रात 8 बजे देश को संबोधित किया। प्रधानमंत्री ने अपने 22 मिनट के भाषण में पहलगाम हमला, ऑपरेशन सिंदूर, सीजफायर, आतंकवाद, सिंधु जल समझौते और पीओके पर बात की।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि हमारे वीर सैनिकों ने ऑपरेशन सिंदूर के लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए असीम शौर्य का प्रदर्शन किया। उनकी वीरता, साहस और पराक्रम को देश की मां-बेटी को समर्पित करता हूं। प्रधानमंत्री ने कहा कि हमने आतंकवादियों को मिट्टी में मिलाने के लिए सेनाओं को पूरी छूट दी। आज हर आतंकी, आतंक का हर संगठन जान चुका है कि हमारी बहनों-बेटियों के माथे से सिंदूर हटाने का अंजाम क्या होता है।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि जिन आतंकियों ने हमारी मां-बहनों का सिंदूर मिटाया, हमने उन्हें मिटा दिया। हमारे ऑपरेशन में 100 से ज्यादा खूंखार आतंकवादी मारे गए हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि पाकिस्तान की गुहार पर भारत ने संघर्ष रोकने की सहमति दी है। भारत ने पाकिस्तान के खिलाफ मिलिट्री एक्शन को केवल स्थगित किया है। पाकिस्तान का रवैया देखकर आगे का एक्शन तय करेंगे। हम पाकिस्तान से आतंकवाद और पीओके पर ही बात करेंगे।

प्रधानमंत्री ने कहा कि जब देश एकजुट होता है, नेशन फर्स्ट की भावना से भरा होता है, राष्ट्र सर्वोपरि होता है तो फौलादी फैसले लिए जाते हैं। परिणाम लाकर दिखाए जाते हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि हर प्रकार के आतंकवाद के खिलाफ हम सभी का एकजुट रहना, हमारी एकता की सबसे बड़ी शक्ति है। निश्चित तौर पर ये युग युद्ध का नहीं है, लेकिन ये युग आतंकवाद का भी नहीं है। टेररिज्म के खिलाफ जीरो टॉलरेंस एक बेहतर दुनिया की गारंटी है। पाकिस्तानी फौज, पाकिस्तान की सरकार जिस तरह आतंकवाद को खाद पानी दे रहे हैं, वो एक दिन पाकिस्तान को ही समाप्त कर देगा। पाकिस्तान को अगर बचना है तो उसे अपने टेरर इन्फ्रास्ट्रक्चर का सफाया करना ही होगा, इसके अलावा शांति का कोई रास्ता नहीं है। भारत का मत एकदम स्पष्ट है, टेरर और टॉक एकसाथ नहीं हो सकते हैं, टेरर और ट्रेड एकसाथ नहीं चल सकते। पानी और खून भी एकसाथ नहीं बह सकता। विश्व समुदाय से भी कहूंगा हमारी घोषित नीति रही है कि अगर पाकिस्तान से बात होगी तो टेररिज्म पर ही होगी, अगर बात होगी तो पीओके पर ही होगी। देशवासियों आज बुद्ध पूर्णिमा है, भगवान बुद्ध ने हमें शांति का रास्ता दिखाया है। शांति का मार्ग भी शक्ति से होकर जाता है। मानवता शांति और समृद्धि की तरफ बढ़े, हर भारतीय शांति से जी सके, विकसित भारत के सपने को पूरा कर सके, इसके लिए भारत का शक्तिशाली होना जरूरी है। आवश्यकता पड़ने पर इस शक्ति का इस्तेमाल भी जरूरी है।

देश के पत्रकार जगत में महाशोक

वरिष्ठ पत्रकार कामरेड के. विक्रम राव का निधन

देशभर से श्रद्धांजलियों का लगा तांता, अंत्येष्टि आज लखनऊ में

लखनऊ (विश्व परिवार)। यह पंक्तियां लिखते हुए हार्दिक दु:ख है कि भारतीय श्रमजीवी पत्रकार महासंघ (आईएफडब्ल्यू जे) के राष्ट्रीय अध्यक्ष, वरिष्ठ पत्रकार, लेखक, समाज सुधारक प्रेस काउंसिल ऑफ़ इंडिया के पूर्व सदस्य कामरेड के. विक्रम राव का आज तडके लखनऊ के एक निजी अस्पताल में 87 वर्ष की आयु में निधन हो गया।

उनके निधन के समाचार सुनते ही देश भर के मीडिया जगत में शोक की लहर छा गई।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी पूर्व राज्यपाल राम नायक यूपी के मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य उप के मंत्री स्वतंत्र देव सिंह भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी सपा नेता शिवपाल सिंह यादव विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना पूर्व मंत्री अरविंद सिंह गोप सहित वरिष्ठ राजनेताओं ने उन्हें अपनी हार्दिक श्रद्धांजलि अर्पित की।

श्री विक्रम राव टाइम्स ऑफ़ इंडिया के नो प्रदेशों के ब्यूरो प्रमुख रहे उन्होंने वायस ऑफ अमेरिका के दक्षिण एशिया ब्यूरो में भी 15 वर्षों तक काम किया।

श्री के विक्रम राव आपातकाल के दौरान 13 माह तक देश की पांच जेलों में रहे। उन्होंने 51 देश में आयोजित विभिन्न गोष्ठी में भाग लिया।

अंतिम सांस तक पत्रकारिता धर्म निभाते हुए पत्रकारों के हित में संघर्ष किया। वे अपने राष्ट्रीय स्तरीय संगठन के

माध्यम से विभिन्न प्रदेशों एवं जिलों में पत्रकारों की इकाइयों को गठन कर निरंतर पत्रकार जगत के हित की गतिविधियों का संचालन कराया करते थे।

अपने संगठन के माध्यम से विभिन्न राष्ट्रीय/राज्य स्तरीय अधिवेशनों में बड़े-बड़े दिग्गज राजनेताओं को बुलाकर के पत्रकारों के हित में उन्होंने तमाम घोषणाएं करवाई और योजनाओं को लागू कराया।

श्री के विक्रम राव उम्र अधिक हो जाने के बाद भी निरंतर अपनी लेखनी को चलाते रहे। उन्होंने अंतिम दिवस तक भी अपना लेख लिखकर के प्रकाशन हेतु समाचार पत्र माध्यमों को प्रेषित किया था।

हाल ही में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा उन्हें लोकतंत्र सेनानी सम्मान से अलंकृत किया गया था।

दो दिवस पूर्व उन्होंने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मिलकर के अपनी दो पुस्तकें उन्हें भेंट की थी।

आईएफडब्ल्यूजे के माध्यम से पत्रकार संगठनों को मजबूत करने में श्री के विक्रम राव ने जहां बहुत माहिती भूमिका निभाई वही पत्रकारों को विदेश में पत्रकारिता का प्रशिक्षण दिलवाया। विभिन्न देश की पत्रकारों को सदभाव यात्रा करा करके विदेशी पत्रकार संगठनों के साथ सामंजस स्थापित करने का कार्य उन्होंने किया।

श्री के. विक्रम राव का निधन पूरे भारतीय प्रेस जगत के लिए एक अपूरणीय क्षति है। जिस दूर दृष्टि के साथ होने पत्रकारों जगत की सेवा की वह अद्वितीय है। पत्रकारिता की सेवा के लिए विक्रम राव साहब सदैव याद किए जाते रहेंगे।

यूपी वर्किंग जनरलिस्ट यूनियन के अध्यक्ष हातिम सिद्दीकी मंडली अध्यक्ष शिवचरण सिंह यूपी पुलिस क्लब के अध्यक्ष रविंद्र कुमार सिंह ने संगठनों की ओर से स्वर्गीय राव के पार्थिव शरीर पर श्रद्धा सुमन अर्पित किए।

प्रेस कार्उंसिल आफ इंडिया के पूर्व सदस्य श्री बलदेव राज गुप्ता ने श्री के. विक्रम राव के निधन पर हार्दिक शोक व्यक्त करते हुए उन्हें एक सच्चा समर्पित पत्रकार जुझारू नेता बताया जिससे जीवन पर्यंत पत्रकारिता की सेवा की।

कल सुबह 10:00 बजे लखनऊ स्थित भैंसाकुंड घाट पर उनका अंतिम संस्कार संपन्न होगा।

उनके परिवार में धर्म पत्नी डॉक्टर श्रीमती सुधा राव, सुपुत्र श्री सुदेव राव श्री विश्वदेव राव सुपुत्री विनीता राव एवं सभी के प्रति हार्दिक संवेदनाएं रखते हुए इस महा दु:ख सहने की शक्ति ईश्वर प्रदान करें। दैनिक विश्व परिवार 'परिवार' की अंतस्तल से श्रद्धांजलि।

-प्रदीप कुमार जैन
संपादक

केन्द्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान आज रायपुर में राज्य सरकार द्वारा कार्यान्वित केंद्रीय योजना की समीक्षा करेंगे

दोपहर में अम्बिकापुर में आयोजित 'मोर आवास मोर अधिकार' कार्यक्रम में होंगे शामिल

नवनिर्मित 51 हजार प्रधानमंत्री आवास योजना के हितग्राहियों का होगा गृह प्रवेश

रायपुर (विश्व परिवार)। केंद्रीय कृषि व किसान कल्याण एवं ग्रामीण विकास मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान 13 मई को सुबह 10 बजे नया रायपुर सचिवालय में राज्य सरकार द्वारा कार्यान्वित केंद्रीय योजना की समीक्षा करेंगे। उसके पहले सचिवालय के क्षेत्र में श्री चौहान के हाथों पौधा रोपण किया जाएगा। तत्पश्चात केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान अंबिकापुर रवाना होंगे।

अम्बिकापुर में आयोजित मोर आवास मोर अधिकार कार्यक्रम में केंद्रीय मंत्री चौहान शामिल होंगे। कार्यक्रम का आयोजन अम्बिकापुर के पीजी कॉलेज मैदान में किया जाएगा। इस दौरान मुख्य अतिथि श्री चौहान प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण और पीएम जनमन के आवास हितग्राहियों को खुशियों की चाबी देंगे तथा आवास निर्माण प्रारंभ करने वाले हितग्राहियों का भूमिपूजन कर उन्हें आवास स्वीकृति पत्र प्रदान करेंगे। केंद्रीय मंत्री श्री चौहान राज्य में नवनिर्मित 51 हजार प्रधानमंत्री आवास योजना के हितग्राहियों का गृह प्रवेश करवाएंगे। साथ ही उत्कृष्ट कार्य करने वाली स्व सहायता समूह की दीदियों, लखपति दीदियों को सम्मानित किया जाएगा।कार्यक्रम की अध्यक्षता मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय करेंगे।

मुख्यमंत्री साय से केंद्रीय मंत्री चौहान ने की मुलाकात

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय से आज छत्तीसगढ़ प्रवास पर आए केंद्रीय ग्रामीण विकास एवं कृषि व किसान कल्याण मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने सौजन्य मुलाकात की। मुख्यमंत्री श्री साय ने श्री चौहान का छत्तीसगढ़ में स्वागत करते हुए उन्हें बस्तर आर्ट का प्रतीक चिन्ह व शॉल भेंट किया। मुख्यमंत्री श्री साय ने छत्तीसगढ़ की पावन धरा पर केंद्रीय मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान का हार्दिक स्वागत एवं अभिनंदन करते हुए कहा कि गरीब, किसान एवं गांव के कल्याण के लिए आपका समर्पण हम सबके लिए प्रेरणादायी है।

सर्वश्रेष्ठ उच्च शिक्षा संस्थान शिक्षक पुरस्कार 2025

कलिंगा विश्वविद्यालय में ज्ञान के स्तंभों का जश्न

रायपुर (विश्व परिवार)। नया रायपुर में स्थित कलिंगा विश्वविद्यालय एक प्रतिष्ठित संस्थान है जो गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने और समग्र विकास को बढ़ावा देने के लिए समर्पित है। शैक्षणिक उत्कृष्टता के प्रति प्रतिबद्धता और शोध एवं नवाचार पर ध्यान केंद्रित करने के साथ, विश्वविद्यालय पिछले 3 वर्षों से लगातार एनआईआरएफ रैंकिंग के अनुसार देश के शीर्ष 101-150 संस्थानों में स्थान बना रहा है। उच्च शिक्षा संस्थान पुरस्कार उच्च शिक्षा में नेतृत्वकर्ता/शिक्षक के रूप में अपनी उपलब्धियों के लिए व्यक्तियों को सम्मानित और सम्मानित करते हैं।

कलिंगा विश्वविद्यालय ने हाल ही में सर्वश्रेष्ठ उच्च शिक्षा शिक्षक पुरस्कार 2025 का आयोजन किया, जो छत्तीसगढ़ भर में उच्च शिक्षा संस्थानों में शिक्षकों के अनुकरणीय योगदान को मान्यता देने की एक पहल है। इस प्रतिष्ठित कार्यक्रम का उद्देश्य शैक्षणिक और अनुसंधान गतिविधियों में नवाचार, समर्पण और उत्कृष्टता को मान्यता देना था। सरकारी कॉलेजों, निजी कॉलेजों, राज्य और केंद्र सरकार के विश्वविद्यालयों, निजी विश्वविद्यालयों और राष्ट्रीय महत्व के संस्थानों से नामांकन प्राप्त हुए। पैनल को कुल मिलाकर 200 से अधिक पंजीकरण प्राप्त हुए। कार्यक्रम का शुभारम्भ पारंपरिक दीप प्रज्ज्वलन समारोह से हुआ, जो ज्ञान और आत्मज्ञान का प्रतीक है। प्रतिभागियों का पारंपरिक तिलक और गुलाब के साथ स्वागत किया गया। कलिंगा विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. संदीप गांधी ने स्वागत भाषण दिया और एक आकर्षक पावरपॉइंट प्रेजेंटेशन (पीपीटी) के माध्यम से विश्वविद्यालय पर बहुमूल्य जानकारी साझा की। कलिंगा विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. आर. श्रीधर ने 'आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के युग में उन्नत शिक्षण कौशल' विषय पर एक सत्र के माध्यम से अपना दृष्टिकोण साझा किया। डॉ. सुनयना शुक्ला, उप प्रबंधक, कैरियर और कॉर्पोरेट संसाधन केंद्र (सीसीआरसी) ने भावनात्मक बुद्धिमत्ता पर एक सत्र लिया।

खरोरा में भीषण सड़क हादसा, 13 लोगों की मौत, 14 घायल

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने जताया शोक

रायपुर (विसं)। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर से सटे खरोरा क्षेत्र में रविवार रात एक भीषण सड़क हादसा हो गया, जिसमें 13 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई और 14 अन्य घायल हो गए। यह हादसा उस समय हुआ जब ग्राम चटौद के ग्रामीण एक छट्ठी कार्यक्रम से लौट रहे थे। ग्रामीण स्वराज माजदा वाहन (CG 04 MQ 1259) में सवार होकर ग्राम बाना बनारसी से लौट रहे थे, तभी रायपुर-बलौदबाज़ार मार्ग पर सारागांव के पास उनका वाहन पहले एक ट्रेलर और फिर डंपर से टकरा गया। हादसे की सूचना मिलते ही प्रशासन और पुलिस की टीमें मौके पर पहुंचीं और घायलों को रायपुर के मेकाहारा अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनका इलाज जारी है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने इस दुखद हादसे पर गहरा शोक व्यक्त किया है। उन्होंने घायलों के समुचित इलाज के लिए अधिकारियों को निर्देशित किया गया है। मुख्यमंत्री ने मृतकों के परिजनों को 5-5 लाख रुपए और घायलों को 50-50 हजार रुपए की सहायता राशि देने की घोषणा की है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शोक व्यक्त किया

रायपुर (विश्व परिवार)। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने रायपुर में सड़क दुर्घटना में कई लोगों की मृत्यु पर गहरा शोक व्यक्त किया है। उन्होंने मृतकों के परिजनों के प्रति अपनी संवेदना प्रकट की है तथा घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की है। प्रधानमंत्री मोदी ने यह भी घोषणा की है कि प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष से मृतकों के परिजनों को 2 लाख रुपये की अनुग्रह राशि दी जाएगी, जबकि घायलों को 50 हजार रुपये की सहायता राशि प्रदान की जाएगी।

मुख्यमंत्री ने जल संसाधन विभाग के कामकाज की समीक्षा की

किसानों को मिले सिंचाई परियोजनाओं का लाभ : मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय

जल उपयोग की दक्षता बढ़ाने के लिए विशेष प्रयास करने के दिए निर्देश

रायपुर (विश्व परिवार)। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने आज मुख्यमंत्री निवास कार्यालय में प्रदेश के सिंचाई ढांचे को सशक्त बनाने के उद्देश्य से जल संसाधन विभाग के कार्यों की गहन समीक्षा की। उन्होंने कहा कि प्रदेश के मौजूदा सिंचाई परियोजनाओं के रखरखाव और मरम्मत पर विशेष ध्यान दिया जाए। मुख्यमंत्री श्री साय ने वरिष्ठ विभागीय अधिकारियों को नियमित रूप से फील्ड विजिट करने के निर्देश दिए और जल अपव्यय रोकने के साथ ही जल का अधिक से अधिक उपयोग कृषि कार्यों में हो, यह सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री श्री साय ने प्रदेश के सभी बांधों की जल भराव क्षमता, वर्तमान सिंचाई स्थिति और आगामी परियोजनाओं के प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि नहरों के माध्यम से जल परिवहन में होने वाली हानि को रोकने के लिए आधुनिक तकनीकों का उपयोग जरूरी है। मुख्यमंत्री श्री साय ने जल उपयोग की दक्षता बढ़ाने हेतु अंडरग्राउंड पाइपलाइन व्यवस्था के माध्यम से आवश्यक कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए। साथ ही सिंचाई योजनाओं में रूपांकित सिंचाई क्षमता और वास्तविक क्षमता के बीच के अंतर को कम करने के लिए ठोस कार्ययोजना बनाने के भी निर्देश दिए। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि बस्तर एवं सरगुजा संभाग में लंबे समय से अधूरे योजनाओं को पूर्ण करने के लिए आवश्यक कार्यवाही की जाये।

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने निर्माणाधीन वृहद परियोजनाओं को शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए ताकि किसानों को समय से योजना का लाभ प्राप्त हो सके। उन्होंने बड़ी परियोजनाओं में भारत सरकार से वित्तीय सहायता प्राप्त करने हेतु आवश्यक प्रस्ताव यथाशीघ्र तैयार करने को कहा। मुख्यमंत्री ने राज्य में भू-जल की दृष्टि से क्रिटिकल/सेमी क्रिटिकल घोषित 26 विकासखण्डो में परियोजनाओं के निर्माण हेतु प्रस्ताव तैयार करने के भी निर्देश दिए।

विश्व कवि रवींद्र नाथ टैगोर जी की जयंती के उपलक्ष में स्वामी जन सेवा समिति माना कैम्प द्वारा पुष्पांजलि व वरिष्ठ एवं विशिष्ट जनों का सम्मान

रायपुर (विश्व परिवार)। विश्व कवि रवींद्र नाथ टैगोर जी के जयंती के उपलक्ष में स्वामी जन सेवा समिति माना कैंप द्वारा पुष्पांजलि व वरिष्ठ विशिष्ट जनों को सम्मान एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि रायपुर के लोकप्रिय सांसद बृजमोहन अग्रवाल जी रहे जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता मोतीलाल साहू विधायक रायपुर ग्रामीण ने की विशिष्ट अतिथि के रूप में नंदकुमार साहू जी अध्यक्ष रायपुर विकास प्राधिकरण एवं पूर्व विधायक रायपुर ग्रामीण रहे।

आज विश्वकवि गुरुदेव रवीन्द्रनाथ टैगोर की जयंती के पावन अवसर पर माना कैंप में स्वामी जन सेवा समिति द्वारा आयोजित समारोह में शामिल होकर गुरुदेव को श्रद्धापूर्वक नमन किया। गुरुदेव की लेखनी ने न केवल भारत बल्कि पूरी मानवता को एक नई चेतना दी। उनका चिंतन और काव्य आज भी प्रासंगिक हैं और हमें सृजनशीलता व राष्ट्रभक्ति की प्रेरणा देते हैं।

इस अवसर पर विधायक श्री मोतीलाल साहू जी, जिला पंचायत अध्यक्ष श्री नवीन अग्रवाल जी, उपाध्यक्ष श्री संदीप यदु जी, मंडल अध्यक्ष श्री भीमवन्त निषाद जी, श्री अशोक बजाज जी, पूर्व मंडल अध्यक्ष श्री रविन्द्र सिंह ठाकुर जी, श्री श्यामा चक्रवर्ती जी, नगर पंचायत अध्यक्ष संजय यादव, उपाध्यक्ष के. ईबू, नरेश पिल्ले समेत बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिकों की उपस्थिति सराहनीय रही। गुरुदेव के विचार सदैव हमारी प्रेरणा बने रहें।

मानव सेवा ही माधव सेवा है उक्त पंक्तियां को चरितार्थ करते हुए स्व लक्ष्मीकांत शर्मा स्व. कैलाश चंद शर्मा स्व ब्रजमोहन जी शर्मा की स्मृति में सन एंड सन परिवार द्वारा स्वर्ग रथ स्वामी जन सेवा समिति माना कैंप को प्रदत्त किया गया जो की एक पुण्य का कार्य एवं सराहनीय कार्य है माना वासियों ने सन एंड सन परिवार को धन्यवाद ज्ञापित किया।

एनएमडीसी बचेली में भूवैज्ञानिक प्रमथ नाथ बोस का जन्मदिवस समारोह का आयोजन एवं माल्यार्पण कार्यक्रम सम्पन्न

बचेली (विश्व परिवार)। एनएमडीसी, बचेली कॉम्प्लेक्स के निक्षेप क्र 5 में दोहपर 12.15 बजे श्री पी एन बोस (भूवैज्ञानिक) का जन्मदिवस एवं माल्यार्पण समारोह बचेली परियोजना प्रमुख श्री बी. वेंकटेश्वरलु, अधिशासी निदेशक की गरिमामयी उपस्थिति में संपन्न हुआ। इस अवसर पर श्री जी घोरई, महाप्रबंधक (यांत्रिकी), श्री टी शिवा कुमार महाप्रबंधक (खनन)/ खान प्रबंधक, श्री श्रीधर कोडाली, महाप्रबंधक (खनन), श्री जे सी दास, महाप्रबंधक (यांत्रिकी), श्री धरमराज, विभागाध्यक्ष, निक्षेप क्र. 5, श्री जनार्दन वर्मा, विभागाध्यक्ष, भूविज्ञान विभाग, एनएमडीसी बचेली के विभिन्न विभागाध्यक्षगण, श्रमिक संघों के पदाधिकारीगण, विभिन्न विभागों अधिकारी एवं कर्मचारी, ठेका श्रमिकों इत्यादि की उपस्थिति रही।

इस वर्ष एनएमडीसी, बचेली में श्री पी एन बोस का 170वां जन्मदिवस मनाया गया। ज्ञातव्य है कि प्रसिद्ध भूवैज्ञानिक श्री पी. एन. बोस (प्रमथ नाथ बोस) की प्रतिमा का अनावरण एनएमडीसी, बचेली के निक्षेप क्रमांक 5 में अधिशासी निदेशक श्री बी. वेंकटेश्वरलु के करकमलों से विगत वर्ष संपन्न हुआ था। श्री पी. एन. बोस ने सन 1899 से 1903 तक बैलाडीला (बस्तर) क्षेत्र में कार्य किया एवं बैलाडीला आयरन ओर निक्षेपों की खोज की। श्री बोस के इस अन्वेषण से ही बैलाडीला क्षेत्र में लगभग 14 लौह अयस्क निक्षेपों का पता चला। इसी के फलस्वरुप एनएमडीसी ने यहां उत्खनन का कार्य आरंभ किया एवं पिछले लगभग 60 वर्षों से निरंतर लौह अयस्क का उत्खनन एनएमडीसी द्वारा किया जा रहा है। श्री प्रमथ नाथ बोस के जन्मदिवस समारोह के अवसर पर मुख्य अतिथि श्री बी वेंकटेश्वरलु ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि श्री पी एन बोस के काम ने भारत की औद्योगिक यात्रा को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, खासकर स्टील उद्योग में। टाटा स्टील ने जमशेदपुर में पी.एन. बोस जियोलॉजिकल सेंटर की स्थापना करके उनके योगदान को मान्यता दी है, जो भूवैज्ञानिक प्रक्रियाओं को समझने और खनन इतिहास का दस्तावेजीकरण करने के लिए एक मंच के रूप में कार्य करता है। 1899 से 1903 तक बैलाडीला (बस्तर) क्षेत्र में बैलाडीला आयरन ओर निक्षेपों की खोज कर उन्होंने इस क्षेत्र के औद्योगिक स्वरूप की नींव को गढ़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन्होंने श्री बोस के महत्वपूर्ण योगदानों के प्रति कृतज्ञता का भाव प्रकट किया।

रामकृष्ण केयर अस्पताल में रोबोटिक पद्धति एवं 'मिनीमम कट तकनीक' (MCT) द्वारा हुई जटिल नी रिप्लेसमेंट सर्जरी

रायपुर (विश्व परिवार)। अभी हाल ही में शहर के जाने-माने रामकृष्ण केयर अस्पताल के जोड़ प्रत्यारोपण विशेषज्ञ डॉ. अंकुर सिंघल ने रोबोटिक पद्धति एवं 'मिनीमम कट तकनीक' द्वारा एक जटिल नी रिप्लेसमेंट सर्जरी की। इस सर्जरी की खास बात यह थी मरीज के दोनों घुटने का जोड़ खराब हो चुका था और मरीज को गठियावात नामक घुटने की बीमारी थी। मरीज लगभग एक वर्ष से चल नहीं पा रहा था एवं करवट भी नहीं ले पा रही थी। गठियावात एवं नहीं चल पाने की वजह से उनकी जोड़ की हड्डियां कमजोर हो गई थी। उसने कई जगह दिखाया पर सभी जगह ऑपरेशन के लिये मना किया गया क्योंकि यह बहुत ही जटिल सर्जरी थी और इसलिये उसको सभी जगहों पर निराशा का सामना करना पड़ा। तत्पश्चात उन्होंने डॉ. अंकुर सिंघल को दिखाया उसके बाद डॉ. अंकुर सिंघल ने बताया कि उनके दोनों घुटनें का नी रिप्लेसमेंट करना होगा तभी वह चल पायेंगी और डॉ. अंकुर सिंघल ने उनके दोनों घुटने का ऑपरेशन किया तत्पश्चात् उन्हें 3 घंटे बाद खड़ा किया जो मरीज एक वर्ष से चल नहीं पा रही थी वह चलने लगी और आज वह पूरी तरह स्वस्थ्य है, चल-फिर रहे है उनका दर्द पूरी तरह खत्म हो चुका और वह बिल्कुल ठीक हो गयी है और अपने नियमित कार्य कर रही है। आज वह लगभग नियमित रूप से 2 कि.मी. आसानी से चल पा रही है। डॉ. अंकुर सिंघल ने बताया कि मरीजों में उनके द्वारा इज़ात की हुई इस 'मिनीमम कट तकनीक' (MCT) से जोड़ प्रत्यारोपण के बाद मरीजों की रिकवरी फास्ट होती है और जटिल से जटिल सर्जरी आसानी से की जा सकती है। इस तकनीक से मरीज न सिर्फ केवल कुछ घंटें बाद चल सकता है बल्कि अपनी सामान्य जीवन में तेजी से वापस लौट सकता है।

केयर हॉस्पिटल्स ने सप्ताह भर चलने वाले समारोह के साथ अंतर्राष्ट्रीय नर्स दिवस मनाया

रायपुर (विश्व परिवार)। भारत के अग्रणी स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं में से एक केयर हॉस्पिटल्स ने अपने अस्पतालों के नेटवर्क में अपने नर्सिंग कर्मचारियों की अटूट प्रतिबद्धता और महत्वपूर्ण योगदान का सम्मान करते हुए एक सप्ताह तक चलने वाले समारोहों और सामुदायिक आउटरीच पहलों की श्रृंखला के साथ अंतर्राष्ट्रीय नर्स दिवस मनाया।

समारोह का औपचारिक उद्घाटन कॉर्पोरेट कार्यालय से किया गया और सभी केयर हॉस्पिटल्स में एक साथ संबोधित किया गया। डॉ. विंसी अशोक त्रिभुवन, उपाध्यक्ष-नर्सिंग प्रशासन, ने केयर कॉर्पोरेट मुख्यालय से समारोह का नेतृत्व किया और सभी इकाइयों को प्रशंसा और प्रोत्साहन का संदेश दिया। इस अवसर पर श्री विशाल माहेश्वरी, समूह मुख्य वित्तीय अधिकारी; डॉ. निखिल माथुर, समूह प्रमुख चिकित्सा सेवाएं; डॉ. अमित सिंह, मुख्य मानव संसाधन अधिकारी; श्री हरेश त्रिवेदी, क्षेत्रीय सीईओ (पश्चिम और मध्य भारत); श्री विनोद रमन, समूह मुख्य प्रौद्योगिकी अधिकारी; डॉ. संदीप दवे, प्रबंध सह चिकित्सा निदेशक, रामकृष्ण केयर अस्पताल और डॉ. हार्दिक शाह, एचसीओ, रामकृष्ण केयर अस्पताल, रायपुर। उन्होंने मिलकर इस अवसर को मनाया, संगठन के रोगी-प्रथम दृष्टिकोण और अपने नर्सिंग पेशेवरों के प्रति गहरे सम्मान को मजबूत किया।

इस वर्ष की वैश्विक थीम, हमारी नर्सें। हमारा भविष्य। देखभाल की आर्थिक शक्ति, केयर अस्पतालों में गहराई से गूंज उठी क्योंकि प्रत्येक सुविधा अपनी नर्सिंग टीमों को सम्मानित करने और उनका उत्थान करने के लिए विविध गतिविधियों में लगी हुई थी। समारोह में प्रेरक सत्र, सांस्कृतिक कार्यक्रम, कौशल वृद्धि कार्यशालाएँ, मान्यता समारोह और कल्याण पहल शामिल थे, जिनका उद्देश्य नर्सों की भावना, लचीलापन और समर्पण का जश्न मनाना था।

सामुदायिक देखभाल के प्रति अपनी प्रतिबद्धता के एक हिस्से के रूप में, केयर अस्पतालों ने स्थानीय अनाथालयों में बच्चों के लिए एक निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का भी आयोजन किया। इस पहल में बाल चिकित्सा स्वास्थ्य जांच, पोषण मूल्यांकन और परामर्श की पेशकश की गई, जिससे जरूरतमंद बच्चों के चेहरे पर मुस्कान और देखभाल आई।

इस अवसर पर बोलते हुए, केयर हॉस्पिटल्स के चिकित्सा सेवाओं के समूह प्रमुख डॉ. निखिल माथुर ने कहा, नर्सें हमारी स्वास्थ्य सेवा प्रणाली की रीढ़ हैं। उनकी नैदानिक विशेषज्ञता, भावनात्मक बुद्धिमत्ता और अथक समर्पण हर दिन सुरक्षित और प्रभावी देखभाल प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। नई तकनीक और बढ़ती रोगी अपेक्षाओं के कारण स्वास्थ्य सेवा में तेजी से बदलाव के साथ, आज नर्सें नेता, शिक्षक और समन्वयक के रूप में भी भूमिका निभाती हैं। नर्सें स्वास्थ्य सेवा के भविष्य के लिए उनका काम आवश्यक है। यह उत्सव केवल एक इशारा नहीं है; यह हमारी नर्सिंग टीमों को हर संभव तरीके से सशक्त बनाने और उनका समर्थन करने की हमारी प्रतिबद्धता की पुष्टि है। केयर हॉस्पिटल्स में, हम मानते हैं कि स्वास्थ्य सेवा का भविष्य हमारी नर्सों की ताकत और कल्याण से अविभाज्य है।

एस.एम.सी. सुपरस्पेशलिटी हॉस्पिटल में मदर्स डे का आयोजन किया गया

रायपुर (विश्व परिवार)। एस.एम.सी सुपरस्पेशलिटी हॉस्पिटल में मदर्स डे के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में गर्भवती महिलाओं के लिए गर्भ संस्कार पर विशेष जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान डॉ. प्रज्ञा सूर्यवंशी, जो एक वरिष्ठ स्त्री रोग विशेषज्ञ और निःसंतानता विशेषज्ञ हैं, गर्भवती महिलाओं को शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य बनाए रखने के लिए महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की उन्होंने गर्भ संस्कार की प्राचीन भारतीय पद्धति पर जोर देते हुए सात्विक आहार, योग, ध्यान और तनावमुक्त जीवनशैली के महत्व को बताया, जो माता और गर्भ में शिशु के समग्र विकास के लिए आवश्यक है। वरिष्ठ महिला एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ डॉ ममता दास ने महिलाओं को आहार के बारे में जानकारी दी उन्होंने बताया कि गर्भावस्था के दौरान माता का स्वास्थ्य और भावनात्मक स्थिति शिशु के विकास पर गहरा प्रभाव डालती है। इसके लिए सात्विक आहार, नियमित व्यायाम, और तनावमुक्त जीवनशैली अपनाने की सलाह दी। डॉ. मानसी पत्तेवार ने गर्भ संस्कार की प्राचीन भारतीय पद्धति पर प्रकाश डाला, जिसमें गर्भ में शिशु के शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक विकास के लिए माता के सकारात्मक विचारों, स्वस्थ आहार, योग, ध्यान, सलाह दी जाती है। इसके साथ ही, हार्टफुलनेस संस्था की श्रद्धा दीदी ने कार्यक्रम में गर्भवती महिलाओं को ध्यान सिखाया। उन्होंने ध्यान और साधना के महत्व पर प्रकाश डाला, जिससे मानसिक शांति और भावनात्मक संतुलन प्राप्त होता है, जो गर्भावस्था के दौरान विशेष रूप से लाभकारी है।

महिला सशक्तिकरण की ओर एक कदम MAIC Solitaire फ्री ट्रेनिंग प्रोग्राम में फैशन, ग्रूमिंग, मेकअप, कुकिंग का आयोजन

रायपुर (विश्व परिवार)। महाराजा अग्रसेन इंटरनेशनल कॉलेज (मैक), समता कॉलोनी रायपुर में महिलाओं की सर्वांगीण विकास के लिए मैक सॉलिटेयर निःशुल्क प्रशिक्षण कार्यक्रम लेकर आ रहा है। प्रशिक्षण हेतु न्यूनतम उम्र 18 वर्ष से अधिक उम्र की महिलाओं एवं युवतियों के लिए ग्रीष्मकालीन कक्षाएं एक बैंच में 15 अप्रेल से 30 मई तक शाम 4:00 से 5:30 तक प्रशिक्षण कक्षाएं आयोजित गया हैं।

मैक सॉलिटेयर के सम्पूर्ण प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन कॉलेज के चेयरमैन श्री रमेश अग्रवाल, पूर्व चेयरमेन श्री राजेश अग्रवाल एवं प्राचार्य डॉ. एम.एस.मिश्रा के मार्गदर्शन में किया जा रहा हैं। मैक कॉलेज में महिलाओं एवं छात्रों के सर्वांगीण विकास के लिए एक विशेष पहल की जा रही है- मैक Solitaire निःशुक्ल प्रशिक्षण कार्यक्रम जो कि महिलाओं को शारीरिक, मानसिक, सामाजिक और व्यावसायिक रूप से सशक्त बनाने के उद्येश्य से शुरू किया गया है। इस कार्यक्रम के अंतर्गत प्रशिक्षक के रूप में मिनाक्षी टुटेजा सैलुन से प्रतिभागीयों को मेकअप के बारे में प्रशिक्षित किया जिसमें प्रतिभागियों को विशेष जानकारी दी की मेकअप किट में प्राइमर, कंसीलर, फाउंडेशन, आईशैडो, आईलाइनर, मस्कारा, काजल, ब्लश, हाइलाइटर, लिप पेंसिंल और लिपस्टिक जरूर होनी चाहिए। एवं रूटीन मेकअप व ऑफिस मेकअप के बारे में बताया। बेसिक फैशन एवं ग्रूमिंग के लिए सुश्री शिखा राजपूत ने प्रशिक्षण में अपनी प्रस्तुति को साफ-सुथरा, व्यवस्थित और आकर्षक बनाए रखना, इसमें कपड़ो का चयन समय के हिसाब से, जगह के अनुरूप होना चाहिए।

राजभवन की सर्व धर्म सभा में सकल जैन समाज का संकल्प राष्ट्र धर्म सर्वोपरि

रायपुर (विश्व परिवार)। राजभवन में महामहिम राज्यपाल श्री रमेन डेका के निर्देश पर आयोजित सर्व धर्म सभा में छत्तीसगढ़ सकल जैन समाज के प्रतिनिधि मण्डल ने भाग लिया। सकल जैन समाज के प्रतिनिधि चन्द्रेश शाह ने उदबोधन में कहा कि पहलगाम की आतंकी घटना से देश स्तब्ध व उत्तेजित है सकल जैन समाज इस घटना की कठोर निन्दा करता है। देश की सरकार व सेना ने आतंकी ठिकानों पर ऑपरेशन सिन्दूर कर करारा जवाब दिया है। जैन समाज राष्ट्र सेवा में तन मन धन से सहभागिता हेतु तत्पर है। राज्यपाल श्री डेका व मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय से चर्चा में सकल जैन समाज के प्रतिनिधि सुपारस गोलछा महेन्द्र कोचर विजय चोपड़ा ने आगे कहा कि भगवान महावीर स्वामी का संदेश जियो और जीने दो विश्व शान्ति हेतु आज भी प्रासंगिक है। अनेकांतवाद व अहिंसा परमो धर्म ही विश्व शान्ति का मूलमंत्र है। कोचर व चोपड़ा ने चर्चा में कहा कि ऑपरेशन सिन्दूर के समर्थन में देश के नागरिकों ने एकता का उदाहरण प्रस्तुत किया है। हमारी सेना ने अदम्य साहस, शौर्य व सटीक कार्यशैली का परिचय दिया है। सकल जैन समाज देश के नेतृत्व नरेन्द्र मोदी व सेना के साथ तन मन धन से साथ है। जैन समाज की ओर से चन्द्रेश शाह सुपारस गोलछा महेन्द्र कोचर विजय चोपड़ा नरेश सिघई यशवंत जैन पदम डाकलिया ने प्रतिनिधित्व किया।

न्यायालय नायब तहसीलदार रायपुर जिला रायपुर (छ.ग.)

इश्तिहार

रा.मा.क्र./202504111500109 /3-6/2024-25
रायपुर, दिनांक 30/04/2025
ग्राम-कोटा 1+2, प.ह.नं. 51
तहसील रायपुर, जिला रायपुर (छ.ग.)

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि, **आवेदक जगरनाथ भगत पिता लिबनुस राम भगत निवासी प्रोफेसर कालोनी रायपुर (छ.ग.)** द्वारा इस न्यायालय में छ.ग.भू-राजस्व संहिता 1959 की धारा 109-110 के तहत आवेदन प्रस्तुत किया है कि, आवेदक के **पिता स्व. लिबनुस राम भगत पिता स्व. फागुराम भगत के द्वारा ग्राम कोटा, प.ह.नं. 51, तहसील व जिला रायपुर** स्थित भूमि परिवर्तित संधारण शीट **नंबर 7, भूखण्ड क्रमांक 8 का भाग, खसरा नंबर 152 का भाग, रकबा 2800 वर्गफुट** भूमि को विक्रेता **ईस्माईल लालानी पिता स्व. रहमतुला नानजी बोहरा** से पंजीकृत बैनामा **दिनांक 02/08/1988** को क्रय किया गया है। उक्त भूमि को आवेदक के पिता **स्व. लिबनुस राम भगत पिता स्व. फागुराम भगत** द्वारा क्रय पश्चात अपने नाम पर नामांतरण कराया गया जिसके पश्चात परिवर्तित संधारण शीट **नंबर 7. भूखण्ड क्रमांक 19/2, खसरा नंबर 152 का भाग, रकबा 2800 वर्गफुट** दर्ज किया गया। उक्त भूमि को आवेदक के पिता **स्व. लिबनुस राम भगत पिता स्व. फागुराम** भगत द्वारा अपने जीवनकाल में दो साक्षीगण के समक्ष एक वसीयतनामा **दिनांक 09/07/2008** को आवेदक के पक्ष में वसीयतनामा निष्पादित किया गया है। आवेदक के पिता/वसीयतकर्ता **स्व. लिबनुस राम भगत पिता स्व. फागुराम भगत** की मृत्यु **दिनांक 17/12/2024** को हो गयी है। अतः उक्त भूमि को नोटराईज्ड वसीयतनामा के आधार पर मृतक वसीयतकर्ता का नाम विलोपित कर आवेदक / वसीयत प्राप्तकर्ता द्वारा अपने नाम पर नामांतरण दर्ज किये जाने का निवेदन किया है।

अतः आवेदक का द्वारा प्रस्तुत आवेदन के संबंध में जिस किसी व्यक्ति / संस्था को दावा/आपत्ति प्रस्तुत करना हो वे नियत सुनवाई **दिनांक 15/05/2025** तक स्वतः या अथवा वैध प्रतिनिधि के माध्यम से इस न्यायालय में उपस्थित होकर दावा/आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। नियत समयावधि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर न्यायालय द्वारा विचार नहीं किया जावेगा।

आज **दिनांक 30/04/2025** को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से जारी किया गया।

मुहर

नायब तहसीलदार
रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-3)
शंकर नगर पानी टंकी के नीचे, रायपुर
E-mail ID - rmczone3@gmail.com

पत्र क्र./20076/ न.पा.नि./जोन क्र.-3/2025
रायपुर, दिनांक 11-05-2025

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 20076
वार्ड का नाम-30-शंकर नगर वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड- 30 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR331D00035** जो कि निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **1. SHIBABRATA BARDHAN S/O LATE DEBABRATA BARDHAN, 2. SMT. SHUBHRA BARDHAN W/O SHIBABRATA BARDHAN, 3. KU. VANDITA DESHPANDE D/O LATE P.G. DESHPANDE** पिता/पति श्री/श्रीमती **....** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **1. SHUBHRA BARDHAN 2. KU. VANDITA DESHPANDE** पिता/पति श्री/श्रीमती **1. LATE . SHIBABRATA BARDHAN 2. LATE P.G. DESHPANDE** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख** / वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-

श्री रमेश कुमार जायसवाल
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रं.- (3)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-8)
मोहबा बाजार, रायपुर
E-mail ID - rmczone8@gmail.com

पत्र क्र. /20750/ न.पा.नि./जोन क्र.-8/2025
रायपुर, दिनांक 10-05-2025

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 20750
वार्ड का नाम- 02 - पं. जवाहर लाल नेहरू वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 02 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR802I00551** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **BALBIR SINGH** पिता/पति, श्री/श्रीमती **BIRENDRA SINGH** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **MAHENDRA KUMAR SAHU** पिता/पति, श्री/श्रीमती **FEKU RAM SAHU** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-

श्री जसदेव सिंह बाबरा
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-8
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-8)
मोहबा बाजार, रायपुर
E-mail ID - rmczone8@gmail.com

पत्र क्र. /18775/ न.पा.नि./जोन क्र.-8/2025
रायपुर, दिनांक 08-03-2025

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 18775
वार्ड का नाम- 02 - पं. जवाहर लाल नेहरू वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 02 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR802G02297** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **GUNVAT LAL DEWANGAN** पिता/पति, श्री/श्रीमती **LT.MANNU LAL DEWANGAN** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **SHRUTI RAHANGDALE** पिता/पति, श्री/श्रीमती **MANOJ KUMAR RAHANGDALE** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-

श्री जसदेव सिंह बाबरा
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-8
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-3)
शंकर नगर पानी टंकी के नीचे, रायपुर
E-mail ID - rmczone3@gmail.com

पत्र क्र./20617/ न.पा.नि./जोन क्र.-3/2025
रायपुर, दिनांक 11-05-2025

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 20617
वार्ड का नाम-10-रानी लक्ष्मीबाई वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड- 10 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR227S00239** जो कि निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **ANIL BALANI** पिता/पति श्री/श्रीमती **S/O SEVAK RAM BALANI** केनाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **श्री महेन्द्र अग्रवाल** पिता/पति श्री/श्रीमती **पिता - स्व. श्री बृजकिशोर अग्रवाल** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख** / वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-

श्री रमेश कुमार जायसवाल
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रं.- (3)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-3)
शंकर नगर पानी टंकी के नीचे, रायपुर
E-mail ID - rmczone3@gmail.com

पत्र क्र./20526/ न.पा.नि./जोन क्र.-3/2025
रायपुर, दिनांक 11-05-2025

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 20526
वार्ड का नाम-30-शंकर नगर वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड- 30 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR331H00272** जो कि निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **DR. ANAND PARTANI** पिता/पति श्री/श्रीमती **S/O NAND KISHORE PARTANI** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **1. राजेन्द्र नत्थानी 2. रजत नत्थानी** पिता/पति श्री/श्रीमती **पिता - 1. बाल किशन नत्थानी 2. राजेन्द्र नत्थानी** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख** / वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-

श्री रमेश कुमार जायसवाल
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रं.- (3)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-3)
शंकर नगर पानी टंकी के नीचे, रायपुर
E-mail ID - rmczone3@gmail.com

पत्र क्र./20041/ न.पा.नि./जोन क्र.-3/2025
रायपुर, दिनांक 02-05-2025

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 20041
वार्ड का नाम-11- कालीमाता वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड- 11 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR330D0313A** जो कि निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **PARSADI SATNAMI** पिता/पति श्री/श्रीमती **S/O MUNDA SATNAMI** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **OM PRAKASH KURRE** पिता/पति श्री/श्रीमती **S/O GHANSHYAM KURRE** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-

श्री रमेश कुमार जायसवाल
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रं.- (3)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.-6)
आई.एस.बी.टी. चतुर्थ तल, रावणभाठा, रायपुर
Email ID - rmczone6@gmail.com

पत्र क्रं./20693/न.पा.नि./जोन क्रं. 6/2025
रायपुर दिनांक : 12-05-2025

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 20693
वार्ड का नाम- 60 - चन्द्रशेखर आजाद वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि 60 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी-आई.डी.- **RPR652G00998** जो कि निगम अभिलेख में श्री/श्रीमती **SHEIKH SHEHNAWAZ** पिता/पति, श्री/श्रीमती **SHEIKH NIYAZUDDIN** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **AKHATARI KHATOON** पिता/पति श्री/श्रीमती **W/O FARIDUDDIN** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नही की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करें

(जोन कमिश्नर)
जोन क्रं. - 6
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.-6)
आई.एस.बी.टी. चतुर्थ तल, रावणभाठा, रायपुर
Email ID - rmczone6@gmail.com

पत्र क्रं./20739/न.पा.नि./जोन क्रं. 6/2025
रायपुर दिनांक : 12-05-2025

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 20739
वार्ड का नाम- 60 - चन्द्रशेखर आजाद वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि 60 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी-आई.डी.- **RPR652B0632A** जो कि निगम अभिलेख में श्री/श्रीमती **NANDLAL MULWANI** पिता/पति, श्री/श्रीमती **DANDUMAL MULWANI** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **SAYYED TARIF ALI** पिता/पति श्री/श्रीमती **SAYYED BABBU ALI** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **MALMA BIKRINAMA**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नही की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करें

(जोन कमिश्नर)
जोन क्रं. - 6
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.-6)
आई.एस.बी.टी. चतुर्थ तल, रावणभाठा, रायपुर
Email ID - rmczone6@gmail.com

पत्र क्रं./20799/न.पा.नि./जोन क्रं. 6/2025
रायपुर दिनांक : 12-05-2025

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 20799
वार्ड का नाम- 60 - चन्द्रशेखर आजाद वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि 60 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी-आई.डी.- **RPR652F01473** जो कि निगम अभिलेख में श्री/श्रीमती **ARJUN DEWANGAN** पिता/पति, श्री/श्रीमती **SHARDA DEWANGAN** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **MANHARAN LAL VERMA** पिता/पति श्री/श्रीमती **SANTOSH KUMAR VERMA** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख** / वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नही की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करें

(जोन कमिश्नर)
जोन क्रं. - 6
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.-6)
आई.एस.बी.टी. चतुर्थ तल, रावणभाठा, रायपुर
Email ID - rmczone6@gmail.com

पत्र क्रं./20800/न.पा.नि./जोन क्रं. 6/2025
रायपुर दिनांक : 12-05-2025

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 20800
वार्ड का नाम- 60 - चन्द्रशेखर आजाद वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि 60 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी-आई.डी.- **RPR652E0222A** जो कि निगम अभिलेख में श्री/श्रीमती **DHANESH SAHU** पिता/पति, श्री/श्रीमती **....** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **MOTI LAL SAHU** पिता/पति श्री/श्रीमती **LATE DHANESH SAHU** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **DEATH CERTIFICATE & SAHMATI PATRA** / वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नही की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करें

(जोन कमिश्नर)
जोन क्रं. - 6
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.-6)
आई.एस.बी.टी. चतुर्थ तल, रावणभाठा, रायपुर
Email ID - rmczone6@gmail.com

पत्र क्रं./20801/न.पा.नि./जोन क्रं. 6/2025
रायपुर दिनांक : 12-05-2025

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 20801
वार्ड का नाम- 60 - चन्द्रशेखर आजाद वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि 60 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी-आई.डी.- **RPR652F00323** जो कि निगम अभिलेख में श्री/श्रीमती **KU. JIGYASHA DHANGAR** पिता/पति, श्री/श्रीमती **D/O MAHESH DHANGAR** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **MENKA BARIHA** पिता/पति श्री/श्रीमती **W/O SURESH SINGH BARIHA** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख** / वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नही की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करें

(जोन कमिश्नर)
जोन क्रं. - 6
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-3)
शंकर नगर पानी टंकी के नीचे, रायपुर
E-mail ID - rmczone3@gmail.com

पत्र क्र./19443/ न.पा.नि./जोन क्र.-3/2025
रायपुर, दिनांक 06-05-2025

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 19443
वार्ड का नाम-12- महात्मा गांधी वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड- 12 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR225D00003** जो कि निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **VIPIN AGRAWAL** पिता/पति श्री/श्रीमती **JAGMOHAN AGRWAL** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **VIJAY KUMAR GUPTA** पिता/पति श्री/श्रीमती **MADAN GOPAL GUPTA** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-

श्री रमेश कुमार जायसवाल
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रं.- (3)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-8)
मोहबा बाजार, रायपुर
E-mail ID - rmczone8@gmail.com

पत्र क्र. /20722/ न.पा.नि./जोन क्र.-8/2025
रायपुर, दिनांक 07-05-2025

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 20722
वार्ड का नाम- 02 - पं. जवाहर लाल नेहरू वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 02 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR802H00143** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **NILAM PATHAK** पिता/पति, श्री/श्रीमती **KISHOR KUMAR PATHAK** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **NILAM PATHAK** पिता/पति, श्री/श्रीमती **KISHOR KUMAR PATHAK** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-

श्री जसदेव सिंह बाबरा
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-8
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

दैनिक
विश्व परिवार

बिलासपुर संभाग

रायपुर मंगलवार 13 मई 2025

मां सर्वमंगला मंदिर में चेरिटेबल ट्रस्ट आखिर कब होगा गठित

कोरबा(विश्व परिवार)। कोरबा जिला ही नहीं बल्कि दूसरे जिलों और छत्तीसगढ़ प्रदेश के साथ-साथ अविभाजित मध्य प्रदेश के भी निवासियों की अगाध आस्था का केंद्र बिंदु मां सर्वमङ्गला मंदिर में चैरिटेबल ट्रस्ट आखिर कब गठित होगा। यह सवाल यहां ट्रस्ट बनाने को लेकर वर्षों से होते प्रयासों के बीच से एक बार फिर उठा है, जब जिले के अन्य प्रमुख मंदिरों में ट्रस्ट की व्यवस्था की जा रही है। पहाड़ ऊपर स्थित चैतुरगढ़ की मां महिषासुर मर्दिनी देवी का मंदिर हो या कोरबा-चाम्पा मार्ग पर अवस्थित मां मड़वारानी का मंदिर हो, यहां ट्रस्ट गठन की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। चैतुरगढ़ में भी ट्रस्ट बन चुका है।मड़वारानी में ग्राम सभा से प्रस्ताव पारित हो चुका है और गठन प्रक्रिया जल्दी पूरी कर ली जाएगी दूसरी तरफमां सर्वमंगला देवी मंदिर में ट्रस्ट गठन को लेकर वर्षों से चले आ रहे प्रयासों को अमलीजामा नहीं पहनाया जा सका है। वर्ष 2009 में प्रशासनिक कार्रवाई शुरू की गई और छत्तीसगढ़ के राजपत्र में 23 सितंबर 2009 को प्रकाशन कराया गया। मां सर्वमङ्गला देवी चेरिटेबल ट्रस्ट, सर्वमङ्गला

मंदिर के लिए नायब तहसीलदार जे एल यादव के साथ प्रमुख गणमान्यजनों की बैठक भी हुई। उस समय मंदिर परिसर में स्थित संपत्तियों का मोटा-मोटी आंकलन करीब 50 लाख (चल-अचल संपत्ति) किया गया। कटघोरा अनुविभाग के अंतर्गत आने वाले मां सर्वमङ्गला मंदिर में प्रमुख धार्मिक आयोजनों के अवसर पर जहां हजारों की संख्या में भक्त पहुंचते हैं,सैकड़ों सर्व मनोकामना ज्योति कलशों का प्रज्वलन विदेश तक से कराया जाता है। सामान्य दिनों में भी मां के दरबार में सैकड़ों भक्त माथा टेकने पहुंचते हैं और माता के दरबार में हाजिरी लगाते हुए भेंटें भी चढ़ाते हैं,गुप्तदान भी होता है। उनके अलावा मंदिर परिसर में अन्य धर्मप्राण लोगों के द्वारा भी अपने-अपने पूर्वजों की स्मृति में विभिन्न देवी-देवताओं के मंदिरों का निर्माण कराया गया है। इस मंदिर से इन सभी की भी आस्था जुडी हुई है। ये लोग भी चाहते हैं की मां सर्वमङ्गला देवी मंदिर में ट्रस्ट का गठन हो ताकि मंदिर के चहुंमुखी और बहुमुखी विकास का मार्ग प्रशस्त हो सके। हालांकि मौजूदा मंदिर व्यवस्थापक ने निजी तौर पर मंदिर से होने वाली आय से ही अनेक तरह के कार्य कराए हैं लेकिन इनमें पारदर्शिता का अभाव लगातार बना हुआ है, अन्यथा यह एक बेहतर धार्मिक पर्यटन स्थल के रूप में विकसित किया जा सकता है। इसके साथ ही साथ आदिशक्ति मां सर्वमङ्गला मंदिर के आसपास के परिसर जो कि अपनी प्राचीनता का आभास कराते हैं, उनमें मंदिर के निकट स्थित एक गुफा भी है जिसका एक सिरा कमला नेहरू महाविद्यालय (पुराना रानी महल) के अंदर निकलता है। ऐसा बताते हैं कि आपातकाल के दौर में राज परिवार के द्वारा महल के भीतर से एक सुरंग बनवाई गई थी जो मंदिर के पीछे गुफा से होते हुए बाहर निकलती है। यह अपने आप में प्राचीन होने के साथ-साथ शोध आदि का विषय भी हो सकता है।

संक्षिप्त समाचार

बाल संप्रेक्षण गृह से छह अपचारी बालक फरार

अंबिकापुर(विश्व परिवार)। अंबिकापुर के गंगापुर स्थित बाल संप्रेक्षण गृह में शनिवार को सुरक्षा व्यवस्था को धता बताते हुए छह अपचारी बालक फरार हो गए। बालकों ने सुरक्षा गार्ड की आंखों में मिर्ची पाउडर फेंककर फरारी की योजना को अंजाम दिया, जिससे सभी चकमा देकर भागने में सफल हो गए। फरार बालकों में चार सूरजपुर, एक सरगुजा और एक जांजगीर-चांपा जिले से संबंधित हैं। घटना की जानकारी मिलते ही गांधीनगर थाना को सूचित किया गया और पुलिस ने तत्काल तलाश अभियान शुरू कर दिया है। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अमोलक सिंह ढिल्लों ने बताया कि सभी फरार बालकों की तलाश जारी है और विभिन्न संभावित स्थानों पर छापेमारी की जा रही है। यह घटना पिछले तीन माह में दूसरी बार सामने आई है, जब बाल संप्रेक्षण गृह से बच्चे फरार हुए हैं। इससे पहले भी तीन बालकों के फरार होने की घटना हो चुकी है। लगातार दोहराई जा रही इस तरह की घटनाएं संप्रेक्षण गृह की सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े करती हैं। यह स्थिति न केवल बालकों के पुनर्वास पर प्रश्नचिन्ह लगाती है, बल्कि भविष्य में संभावित जोखिमों की ओर भी इशारा करती है, जिस पर प्रशासन को तत्काल ध्यान देने की आवश्यकता है।

मुंगेली जिले में बाहर से आये व्यक्तियों को किया गया चेक

मुंगेली(विश्व परिवार)। पुलिस अधीक्षक मुंगेली श्री भोजराम पटेल (भा.पु.से.) के निर्देशन में बाहर से आये व्यक्तियों का किया गया चेकिंग। पश्चिम बंगाल से आये 40 फेरीवाले व्यक्तियों का आधार कार्ड वेरिफिक्रेशन कर लिया गया फिंगर प्रिंट। अप्रवासीय 40 व्यक्तियों के मूल निवास के थाना क्षेत्र को इनके चाल-चलन हेतु तहरीर किया गया जारी। मुंगेली पुलिस अधीक्षक श्री भोजराम पटेल (भा.पु.से.) द्वारा जिले में बाहर से आये अवैध/अनाधिकृत अप्रवासीयों के विरूद्ध आवश्यक कार्यवाही करने हेतु अनुविभागीय अधिकारी (पुलिस) मुंगेली श्री मयंक तिवारी के नेतृत्व में टीम गठित किया गया है। जिसके परिपालन में दिनांक 11.05.2025 को बाहरी व्यक्तियों की पहचान सुनिश्चित करने हेतु थाना प्रभारी सिटी कोतवाली मुंगेली एवं स्टॉफके द्वारा पश्चिम बंगाल के 40 फेरी वाले व्यक्तियों को थाना सिटी कोतवाली मुंगेली लाकर उनके आधार कार्ड के माध्यम से फिंगर प्रिंट लिया गया एवं नेफिस के माध्यम से चेकिंग कर उनके निवास स्थल क्षेत्र के थाना प्रभारियों को इनके चाल-चलन तस्दीक हेतु तहरीर जारी किया। जिला मुख्यालय में संचालित होटल, ढाबा, लॉज, बस स्टैण्ड स्थित धर्मशाला एवं लोहा बाड़ा में रहने वाले व्यक्तियों की भी चेकिंग की गयी। बाहर से आये व्यक्तियों को मकान किराये पर देने के पहले उक्त व्यक्तियों के संबंध में पुलिस को जानकारी देने तथा अनजान एवं संदिग्ध व्यक्ति दिखाई देने पर तत्काल पुलिस को सूचना देने की लोगों से अपील की गयी। उक्त चेकिंग कार्यवाही में उप निरीक्षक गिरीजा शंकर यादव थाना प्रभारी सिटी कोतवाली मुंगेली, योगेश यादव की भूमिका सराहनीय रही।

गेवरा कोल माइंस में जल्द होगा गेटपास सिस्टम लागू

कोरबा(विश्व परिवार)। साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड गेवरा क्षेत्र की गेवरा माइंस के कोल स्टॉक बी-2 में दो गुटों में हुई मारपीट के बाद कई प्रकार के सवाल खड़े हुए हैं। इसके साथ ही जवाबदेही तय करने पर भी दबाव बना हुआ है। कर्मचारियों से लेकर ट्रांसपोर्टर के स्टाफमें बने हुए भय को दूर करना जरूरी हो गया है। इधर सीआईएसएफने सुरक्षा के मसले पर प्रबंधन से बात की है। कहा गया कि जल्द ही गेटपास सिस्टम लागू किया जाएगा जिससे कि गैरजरूरी लोगों के प्रवेश को सख्ती से रोका जा सके। गेवरा माइंस दुनिया की दूसरी बड़ी ओपन माइंस है। एसईसीएल में यह अव्वल दर्जे की है। लगातार कोयला उत्पादन क्षमता बढ़ाने के साथ विभिन्न उपभोक्ताओं की जरूरत यहां से पूरी हो रही है। रोडसेल से दिया जाने वाले कोयला के जरिए कोल लिफ्टर्स और उस पर आश्रित लोगों की जीविका चल रही है और जीवन स्तर बेहतर हो रहा है। इन सबके बीच ज्यादा कमाने के होड़ के फेर में अनापेक्षित प्रयास भी किये जा रहे हैं। इसी कड़ी में गेवरा के बी-2 कोल स्टॉक में हाल के दिनों में मारपीट हुई। जिसमें रूंगटा से जुड़े दो कामगार बुरी तरह से जख्मी हो गए। दीपका पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता की विभिन्न धाराओं के अंतर्गत मामला दर्ज करते हुए आरोपियों को गिरफ्तार किया और जेल भेज दिया। घटनाक्रम में खदानों में कोयला का उठाव किए जाने और सुरक्षा से संबंधित मसलों को लेकर चिंता जताई जा रही है। भय के बीच काम हो रहा है लेकिन हर किसी को जीवन की चिंता ज्यादा है, और यह स्वाभाविक भी है। खबर के अनुसार गेवरा माइंस के कोल स्टॉक में वर्ष 2025 के सबसे बड़े हिंसक घटनाक्रम की खबर कोल इंडिया के साथ-साथ सरकार तक पहुंची है।

नवाचार आधारित कृषि उद्यमिता पर कृषि महाविद्यालय कोरबा में एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित

कोरबा(विश्व परिवार)। कृषि महाविद्यालय एवं अनुसंधान केंद्र कटघोरा जिला कोरबा में सतत नए कार्यक्रमों का आयोजन कर छात्र-छात्राओं के उत्थान तथा समावेशी विकास हेतु नए-नए कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता रहा है। जिसके तहत 9 मई को अधिष्ठाता कृषि महाविद्यालय डॉ. एस.एस. पोर्ते के निर्देशानुसार कृषि छात्रों के लिए रोजगार के अवसर कैसे बढ़ेंगे, विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय रायपुर के प्रमुख वैज्ञानिक एवं प्रोफेसर डॉ. हुलास पाठक विभागाध्यक्ष कृषि व्यवसाय प्रबंध एवं राष्ट्रीय कृषि विकास योजना अंतर्गत रफ्तार स्कीम आर ए बी आई के तहत कृषि से जुड़े हुए छात्रों एवं युवाओं के लिए नवाचार पर प्रशिक्षण प्रदान करते हैं तथा छात्रों को उनके नए आइडिया के साथ स्टार्टअप भी देते हैं। जिसमें आवश्यकता अनुसार फंडिंग की भी व्यवस्था भी की जाती हैं। इसी कड़ी में डॉ. हुलास पाठक का कृषि छात्रों के बीच में नवाचार में कृषि उद्यमिता विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला में मुख्य वक्ता एवं विषय विशेषज्ञ के रूप में आना हुआ। जिसमें सर्व प्रथम उनका स्वागत कार्यकारी अधिष्ठाता डॉ. दुष्यंत कौशिक ने पुष्पगुच्छ भेंट कर किया, साथ ही कु. निशा एवं लैब तकनीशियन साइना सिद्दीकी ने भी स्वागत किया। कार्यशाला में डॉ. हुलास पाठक ने सभी छात्रों से उनके विषय तथा नवाचार एवं एंटरप्रेन्योरशिप के संबंध में जानकारी ली एवं प्रशिक्षण के दौरान उनका नए-नए आइडिया और विचार कैसे आते हैं और उन पर कैसे आगे बढ़कर काम किया जाता है इसके विषय में विस्तृत जानकारी दी। छात्रों के द्वारा स्टार्टअप के संबंध में बहुत सारे शंका का निराकरण भी डॉ. पाठक के द्वारा किया गया। कार्यक्रम के दौरान विभिन्न प्रकार के नवाचार के विषयों पर चर्चा की गई तथा छात्रों ने कृषि से जुड़े कई सारे नवाचार पर जानकारी प्राप्त किया कार्यक्रम उपरांत छात्रों ने स्वयं में आत्मविश्वास को बढ़ा हुआ पाया। डॉ. दुष्यंत कौशिक ने कार्यशाला के उपरांत प्रोफेसर श्री पाठक को कृषि महाविद्यालय में अध्ययनरत चतुर्थ वर्ष में पंजीकृत छात्रों के लिए तैयार किया गया। मधुमक्खी पालन इकाई को दिखाया गया एवं वहां से मधुरस निकलना, मधुरस के अतिरिक्त अन्य उत्पाद तैयार करना और बी हाइ कैसे निकाला जाता है इस पूरी प्रक्रिया को सजीव प्रदर्शन कर विस्तृत रूप से समझाया गया।

किसी भी विपत्ति से निपटने मैग्नेटो मॉल और हाईटेक बस स्टैंड बने मॉक ड्रिल के केंद

बिलासपुर में दूसरे दिन भी मॉक ड्रिल का आयोजन

बिलासपुर(विश्व परिवार)। एसएसपी और कलेक्टर के निर्देशन में सुरक्षा एजेंसियों ने संभाली ज़िम्मेदारी। मैग्नेटो मॉल और हाईटेक बस स्टैंड बने मॉक ड्रिल के केंद्र। फायर ब्रिगेड, डॉग स्क्वाड, स्वास्थ्य और पुलिस की साझा भागीदारी। अग्निकांड, विस्फोट और संदिग्ध गतिविधियों के परिदृश्य पर अभ्यास। भीड़ प्रबंधन और आम नागरिकों की भागीदारी पर ज़ोर। रेलवे स्टेशन व 36 मॉल के बाद अब इन स्थानों पर भी सुरक्षा इंतज़ामों की समीक्षा। आज दिनांक 11 मई 2025 को बिलासपुर शहर में आपदा प्रबंधन और आतंकी घटनाओं से निपटने हेतु दूसरे चरण की मॉक ड्रिल आयोजित की गई। यह अभ्यास मैग्नेटो मॉल और हाईटेक बस स्टैंड में किया गया, जिसमें ज़िले की विभिन्न सुरक्षा एजेंसियों ने मिलकर हिस्सा लिया। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्री रजनेश सिंह (भा.पु.से.) और कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल (भा.प्र.से.) स्वयं पूरे ऑपरेशन का पर्यवेक्षण करते रहे। मॉल में एक आभासी अग्निकांड की स्थिति तैयार की गई, जिसमें फायर अलार्म बजते ही दमकल दल ने तत्परता से मोर्चा संभाला। आग बुझाने की प्रक्रिया के साथ-साथ मॉल में मौजूद लोगों को सुरक्षित बाहर निकालने का अभ्यास किया गया। एक लावारिस बैग मिलने की स्थिति उत्पन्न की गई, जिसे डॉग स्क्वाड की सहायता से चिन्हित किया गया। तत्पश्चात बम निरोधक दस्ते द्वारा सुरक्षा मानकों के अनुसार निष्क्रियता की प्रक्रिया पूरी की गई।

समर कैंप में रचनात्मकता और ज्ञान का संगम, खेल-खेल में सीख रहे बच्चे

मुंगेलीन। जिले के विकासखंड मुंगेली के प्राथमिक एवं पूर्व माध्यमिक शालाओं में इन दिनों समर कैंप की रंगीन चहल-पहल देखी जा रही है। समग्र शिक्षा अभियान के अंतर्गत संचालित इस विशेष शिविर का उद्देश्य बच्चों के सर्वांगीण विकास को बढ़ावा देना है। कलेक्टर कुन्दन कुमार के निर्देशन में आयोजित यह अभिनव पहल बच्चों में रचनात्मकता, व्यवहारिक ज्ञान और नैतिक मूल्यों को सहजता से विकसित कर रही है। शिविर में रंगोली, पेंटिंग, हस्तकला, हिंदी-अंग्रेजी लेखन और नैतिक कहानियों जैसे गतिविधियों के माध्यम से विद्यार्थियों की कल्पनाशीलता और अभिव्यक्ति क्षमता को प्रोत्साहन मिल रहा है। जहां स्मार्ट क्लास की सुविधा उपलब्ध है, वहाँ डिजिटल कहानियाँ, शॉर्ट फिल्में और शैक्षिक वीडियोज़ बच्चों को नई दुनिया से रूबरू करवा रहे हैं। विद्यालयों में बच्चों से फल-सब्जियों के बीज संग्रह कराए जा रहे हैं, जिन्हें मानसून के दौरान किचन गार्डन में रोपा जाएगा। इस पहल से बच्चों में प्रकृति और कृषि के प्रति जागरूकता व जुड़ाव गहराया है। 'कबाड़ से जुगाड़' और डाक टिकट संग्रह जैसी नवाचारी गतिविधियाँ न केवल बच्चों की सृजनात्मकता को नई उड़ान दे रही हैं, बल्कि उन्हें संसाधनों के पुन: उपयोग का महत्त्व भी सिखा रही हैं। इन प्रयासों के जरिए बच्चों को शिक्षा का ऐसा माहौल मिल रहा है, जहाँ वे आनंद के साथ सीख रहे हैं। कलेक्टर ने कहा है कि गर्मी की छुट्टियों का सदुपयोग बच्चों के कौशल विकास, नैतिक मूल्यों और रचनात्मकता को बढ़ाने में किया जाए।

आदिवासी युवती को कथित तौर पर बेचने का मामला बालको थाना में शिकायत के बाद नहीं हुई कार्रवाई

कोरबा(विश्व परिवार)। जिले के बालको थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पंचायत बेला में एक आदिवासी युवती को कथित तौर पर बेचने का मामला सामने आया है। पीड़ित पिता विष्णु मंझवार ने आरोप लगाया है कि गांव का ही रहने वाला सुखनंद उरांव उनकी 21 वर्षीय पुत्री अमृता मंझवार को आठ महीने पहले एक साल के कथित एग्रीमेंट पर पंजाब भेजकर बेच दिया। पिता विष्णु मंझवार ने बताया कि उन्हें इस बारे में कोई जानकारी नहीं थी और जब उन्होंने सुखनंद से बेटी के बारे में पूछा तो जवाब मिला कि बेटी

को काम के लिए भेजा गया है। पिता ने बताया कि वे कई बार अपनी बेटी से संपर्क करने की कोशिश कर चुके हैं, लेकिन कोई बातचीत नहीं हो सकी। परिजनों में डर और चिंता का माहौल है और उन्हें आशंका है कि बेटी के साथ कुछ अनहोनी हो सकती है। पिता ने बालको थाना में शिकायत दी है, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। पिता ने मांग की है कि उनकी बेटी को सकुशल वापस लाया जाए और जिन एजेंटों व कथित ठेकेदारों ने यह सौदा किया है, उनके खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाए। स्थानीय प्रशासन और पुलिस से निवेदन है कि मामले को गंभीरता से लेते हुए जल्द कार्रवाई करें ताकि आदिवासी समाज में विश्वास कायम रह सके। इस मामले में पुलिस ने अभी तक कोई बयान नहीं दिया है, लेकिन जांच शुरू कर दी गई है। देखना यह है कि पुलिस इस मामले में क्या कार्रवाई करती है और पीड़ित परिवार को न्याय मिलता है या नहीं।

उप मुख्यमंत्री अरूण साव ने समाधान शिविर में विभिन्न स्टॉलों का अवलोकन कर योजनाओं की जमीनी पहुंच एवं लाभान्वित हितग्राहियों के संबंध में जानकारी ली

मुंगेली(विश्व परिवार)। विकासखण्ड लोरमी के ग्राम राम्हेपुर एन. में समाधान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में मुख्य अतिथि के रूप में उप मुख्यमंत्री अरूण साव शामिल हुए। उन्होंने छत्तीसगढ़ महतारी की छायाचित्र पर माल्यार्पण कर कायक्रम का शुभारंभ किया। उप मुख्यमंत्री ने विभिन्न स्टॉलों का अवलोकन कर योजनाओं की जमीनी पहुंच एवं लाभान्वित हितग्राहियों के संबंध में जानकारी ली। उन्होंने 04 बच्चों को अन्नप्राशन कराकर सुपोषण टोकरी का वितरण किया एवं 21 हितग्राहियों को नोनी सुरक्षा योजना का बॉन्ड पेपर प्रदान किया। महतारी वंदन योजना

के 02 हितग्राहियों को अपने बच्चों को सुकन्या समृद्धि का खाता खुलवाने पर उनका सम्मान किया गया। उन्होंने मनियारी नीर प्याऊ का अवलोकन कर शरबत पिया और प्रशासन द्वारा गर्मी में आमजनों को स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराने की पहल की सराहना की। उप मुख्यमंत्री साव ने स्वास्थ्य विभाग के स्टॉल में अपना ब्लड प्रेशर चेक कराया और अन्य लोगों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहते हुए नियमित जांच के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उपमुख्यमंत्री साव ने कहा कि जनता के बीच जाकर जनता की समस्या का समाधान करना ही रामराज्य है, यही विष्णु का सुशासन है। हमारी सरकार जनता के प्रति जवाबदेह है। उन्होंने कहा कि समाधान शिविर में सभी विभागों के अधिकारी उपस्थित हैं, लोगों को अलग-अलग भटकने की जरूरत नहीं है। क्षेत्र के विकास के लिए हरसंभव प्रयास किया जा रहा है। अकेले लोरमी जनपद पंचायत में 400 कार्य स्वीकृत किया गया है। उन्होंने बताया कि अभी आवास के लिए सर्वे चल रहा है। सभी पात्र हितग्राहियों को आवास मिलेगा। डिप्टी सीएम ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सभी गारंटियों को समय मे पूरा करने का कार्य विष्णुदेव सरकार कर रही है।

केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान के एकदिवसीय प्रवास को लेकर कलेक्टर ने ली अधिकारियों की बैठक

अम्बिकापुर(विश्व परिवार)। कलेक्टर श्री विलास भोसकर ने जिला पंचायत सभाकक्ष में आगामी 13 तारीख को प्रस्तावित ग्रामीण विकास एवं कृषि एवं किसान कल्याण केंद्रीय मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान के एक दिवसीय अम्बिकापुर प्रवास की तैयारियों को लेकर अधिकारी की बैठक ली। इस दौरान उन्होंने आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। कलेक्टर श्री भोसकर ने कुर्सी, टेबल, पंखा, कूलर, पेयजल, वीआईपी दीर्घा, साउंड सिस्टम और बिजली आपूर्ति, विभिन्न विभागीय स्टॉल , ग्रीन रूम, मंच, पार्किंग व्यवस्था, प्रवेश द्वार,निकासी द्वार जैसी अन्य सुविधाओं को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने सांस्कृतिक कार्यक्रम सहित अन्य गतिविधियों की तैयारी समय पूर्व करने के निर्देश दिए। इस दौरान जिला पंचायत सीईओ श्री विनय कुमार अग्रवाल, अपर कलेक्टर श्री सुनील नायक, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री अमोलक सिंह ढिल्लों,परिवहन अधिकारी श्री विनय सोनी सहित विभागीय अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे।

संपादकीय

जल बंटवारे का विवाद

पानी बंटवारे को लेकर हरियाणा-पंजाब में फिर ठन गई है। आप शासित पंजाब अपनी जरूरतों और मौजूदा जल स्तर को लेकर भाजपा शासित हरियाणा को अतिरिक्त पानी देने का विरोध कर रहा है। हरियाणा अपने हिस्से का साढे तीन मिलियन एकड़ फीट पीने का पानी सतलुज-यमुना लिंक नहर को देने की मांग कर रहा है, और पंजाब को सुप्रीम कोर्ट के आदेश का पालन करने की हिदायत भी दे रहा है जबकि पंजाब लगातार साझा करने के लिए अतिरिक्त पानी न होने की दुहाई दे रहा है। 214 किमी. लंबी इस नहर की परिकल्पना रावी-ब्यास नदियों के जल को दोनों राज्यों के दरम्यान बांटने के लिए की गई थी जिसमें 122 किमी. पंजाब में और बाकी 92 किमी. हरियाणा में बनाया जाना था। हरियाणा परियोजना को पूरा कर चुका है, जबकि पंजाब ने 1982 से चालू इस निर्माण को लटका कर रखा है। पंजाब सरकार का कहना है, धान की बुआई के मौसम में उसे अतिरिक्त पानी की जरूरत है, और यह भी कि हरियाणा अपने हिस्से का पानी पहले ही ले चुका है। हरियाणा 8,500 क्यूसेक पानी की मांग कर रहा है, जबकि पंजाब उसे चार हजार क्यूसेक पानी पीने के लिए मुहैया करा रहा है। जल बंटवारे के विवाद को राजनीति से प्रेरित बताया जा रहा है। पंजाब ने हरियाणा पर केंद्र में अपनी सरकार होने के चलते उसे जबरन दबाने के प्रयास के आरोप भी लगाए हैं। नदियों के जल-बंटवारे को लेकर देश भर में अंतरराज्यीय विवादों की स्थिति बनी रहती है। केंद्र और शीर्ष अदालत के हस्तक्षेप के बावजूद राज्यों के दरम्यान संतुलित बंटवारा संभव नहीं हो सका है। राज्यों के बीच जल बंटवारे को लेकर न सिर्फ तनाव बढ़ता है, बल्कि सामाजिक, आर्थिक व पर्यावरणीय संकट भी बढ़ता जाता है। केंद्र का जिम्मा है कि पंजाब सरकार को उक्त नहर के निर्माण के लिए राजी करे और जितनी मदद हो सके देने की व्यवस्था भी करे। विभिन्न राज्यों को नदियों के जल बंटवारे के लिए भिड़ने की बजाय जल संरक्षण, भूजल के सदुपयोग और बरसाती पानी के भंडारण के समुचित सुझाव भी दिए जाएं। पूर्वाग्रहों और व्यवस्थागत विकल्पों के अभाव में उपज पर पड़ने वाली मार तथा पेयजल संकट देश का अहितकारी साबित हो सकता है। केंद्र को न सिर्फ विवाद को तूल पकड़ने से रोकना होगा, बल्कि राजनीतिक मन-मुटाव को हाशिए पर रखते हुए मानसून पूर्व ही विवाद का निस्तारण का भी प्रयास करना होगा।

लंबी लड़ाई को खत्म करने की कोशिश....

कुलदीप चंद अग्निहोत्री

भारत ने पाकिस्तान को जो उत्तर दिया है, उसके व्यापक अर्थ हैं। यह एटीएम की मानसिकता और अंग्रेजों के षड्यंत्रों को समाप्त करने की शुरुआत है मैं अपनी बात अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प की उस टिप्पणी से करूंगा जिसमें उन्होंने कहा है कि भारत में यह लड़ाई एक हजार से भी ज्यादा समय से चल रही है। अब अगली बात। इस बार पाकिस्तानी सेना पहलगाम पर अपने जिहादियों से हमला करवा कर सचमुच धोखा खा गई। वैसे तो नियम है कि जब कोई सेना दूसरे देश पर हमला करती है तो वह उस देश की क्षमता, इतिहास और स्वभाव का पहले आकलन कर लेती है। पाक सेना स्वयं या अपने प्रशिक्षित जिहादियों द्वारा भारत में कहीं न कहीं हमला करती रहती है। उस हमले का रूप चाहे कोई भी क्यों न हो। 'हजार जख्म देकर लहूलुहान करना', यह युद्ध का नया सिद्धांत है। इसमें खर्चा कम होता है और मनोवैज्ञानिक लाभ ज्यादा मिलता है। पाकिस्तानी सेना पिछले कई दशकों से यही कर रही है। इस लम्बे अरसे में उसने भारत की प्रतिक्रिया का आकलन भी कर लिया है। मुम्बई हमले के बाद पाक सेना को अंदेशा था या नहीं, लेकिन भारत के लोगों को आशा थी कि सरकार इस हमले का सही उत्तर देगी। लेकिन देसी-विदेशी दबावों के चलते उसने वह उत्तर नहीं दिया। उसके बाद पाक सेना के थिंक टैंकों ने भारतीय प्रतिक्रिया को लेकर शायद अंतिम निष्कर्ष भी निकाल लिए कि भारत ज्यादा से ज्यादा अमेरिकी शक्तियों के आगे गुहार लगाएगा। लेकिन पाक सेना को पुलवामा हमले के बाद की प्रतिक्रिया से सबक लेना चाहिए था या फिर कम से कम ऐसे मामलों में भारत की प्रतिक्रिया को लेकर निकाले गए निष्कर्षों को संशोधित कर लेना चाहिए था। लेकिन पाक सेना ने ऐसा नहीं किया। वह पुराने जमाने के निष्कर्षों को लेकर ही वार-रूम में भारत के खिलाफरणनीति बनाती रही। मुझे लगता है यदि पाक सेना के मुखिया जनरल बाजवा होते तो शायद आधुनिक युग में भारत की संभावित प्रतिक्रिया का नई सिरे से आकलन अवश्य करवाते। इसका कारण है। वे देसी मुसलमान थे। वे जाट थे जिनके पुरखे मुगल शासन में कभी मुसलमान बन गए थे। उनके गुण-अवगुण वही थे जो हमारे गुण-अवगुण हैं। लेकिन इस समय पाक सेना के मुखिया आसिम मुनीर एटीएम मूल के मुसलमान हैं। एटीएम मूल के मुसलमानों में भारत पर हमले करने वाले अरब, तुर्क और मुगल स्टाक के मुसलमान हैं जिनकी बची खुचा नस्लें भारत में ही रह गई हैं। यह वह स्टाक है जिसके बारे में कहा जाता है कि रस्सी जल गई लेकिन ऐंठन नहीं गई। एटीएम का भारत (जिसमें पाकिस्तान भी शामिल है) से कुछ लेना-देना नहीं है। इनकी खोपड़ी में अभी भी यह कीड़ा घुसा हुआ है कि कि वे कभी भारत के शासक थे। वे अभी भूतकाल से बाहर नहीं आए हैं। मुनीर अरब मूल के हैं। एटीएम मानता है कि हिंदू-मुसलमान अलग-अलग राष्ट्र हैं। इतना ही नहीं वह यह भी मानता है कि इस्लामी राष्ट्र हिंदू राष्ट्र से श्रेष्ठ है। अंग्रेज एटीएम की इस बीमारी को समझ गए थे। इसीलिए वे जाते वक्त हिंदुस्तान का एक टुकड़ा तोड़ कर एटीएम के हाथ दे गए थे, ताकि वह निरंतर भारत से लड़ता रहे। जिन्ना आदि तो एटीएम के मोहरे थे। यही कारण है कि पाकिस्तान की पहचान स्थापित करने के लिए शुरू से ही एटीएम ने वहां की शिक्षा प्रणाली कर कब्जा कर लिया था। लेकिन इतने दशकों बाद भी पाकिस्तान में सिंधी, पश्तून, बलोच, जाट, राजपूत, गुज्जर, वाल्मीकि इत्यादि नई कृत्रिम पहचान को अपना न सके। वे अपने हजारों हजारों साल के पुराने इतिहास से अपना नाता न तोड़ सके। पाकिस्तान में सिन्धी, बलूच, पश्तून, बलती, दरद सभी इससे अलग होना चाहते हैं। पाक सेना के मुखिया जनरल मुनीर इसीलिए घबराहट में हैं। वे इस्लामाबाद में जोर-जोर से चिल्ला रहे हैं, गला फाड़ रहे हैं, कि मुसलमान हिंदुओं के साथ नहीं रह सकते। हम दोनों अलग अलग हैं। हमारा कुछ भी सांझा नहीं है। हम हिंदुओं से कहीं श्रेष्ठ हैं। लेकिन पश्तून, बलोच व सिन्धी चिल्ला रहे हैं कि मुनीर तुम झूठ बोल रहे हो। हमारा तुम से यानी एटीएम से कुछ सांझा नहीं है। मजहब सांझा होने से इतिहास व पहचान सांझा नहीं हो जाती। मुनीर जानता है कि एटीएम ने पहले भी सेना के बल पर ही भारत पर कब्जा किया था। अब भी मुनीर के पास सेना है, शायद वह अपने आप को आज का मोहम्मद बिन कासिम समझता है। वह अपनी आज की सेना के बल पर भारत को डराना चाहता है। सेना तो हिंदुस्तान में अंग्रेजों के पास भी थी। यह भी सच है कि उस सेना में कुछ अफसरों को छोडक़र बाकी सब हिंदुस्तानी ही थे। लेकिन 1857 में और फिर विश्व युद्धों में मोहन सिंह ने व सुभाष चंद्र बोस ने उसी सेना में विद्रोह करवा दिया था जिसके कारण अंग्रेजों को यहां से जाना पड़ा था। पाक की आज की सेना में भी एटीएम के लोग बड़े पदों पर कब्जा किए हैं, बाकी सेना तो देसी मुसलमानों की ही है। एटीएम के मुनीर को अपनी इस सेना पर भी अपनी धाक जमानी है। पाकिस्तान के सिविल प्रशासन को भी अपनी शक्ति का प्रदर्शन करना है। पहलगाम का हमला इसी में से निकला है। लेकिन उसने यह अंदाजा नहीं लगाया कि अब भारत भी पहले वाला भारत नहीं रहा। पहलगाम के उत्तर में जो भारत ने किया, वह नए भारत का उत्तर है। उस भारत का जिसके बारे में गलवान की घटना के बाद किसी ने कहा था, अब भारत आंख में आंख डाल कर बात करता है। वह एटीएम द्वारा एक हजार साल पहले शुरू की गई लड़ाई को जीतना चाहता है। मैं हैरान हूं कि अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रम्प ने कैसे समझ लिया कि यह लड़ाई एक हजार से भी ज्यादा समय ले चली आ रही है। भारत में किसी ने भी मुनीर के आज के हमले को इस ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य में नहीं समझा। पहलगाम हिंसा के बाद भारत ने जनरल मुनीर को जो उत्तर दिया, वह इसी बात का संकेत है कि भारत एक हजार से चली आ रही इस लड़ाई को अब उसकी अंतिम परिणति तक पहुंचाना चाहता है। एक हजार साल पहले भारत पर हमला करने वाला मोहम्मद बिन कासिम भी अरब था और 2025 में हमला करने वाला जनरल मुनीर भी अरब मूल का है। लेकिन तब से लेकर अब तक सिंधु नदी में बहुत पानी बह चुका है। इस बार जो भारत ने उत्तर दिया है, उसका एक दूसरा पहलू भी है। अब तक यह समझा जाता था कि भारत और पाकिस्तान के बीच झगड़ा कश्मीर को लेकर है। मुनीर ने मजहब के आधार पर अपने द्विराष्ट्र सिद्धांत को प्रस्थापित करते हुए कहा भी कि कश्मीर हमारी दुखती रग है। भारत में भी कुछ लोग ऐसा ही मानते हैं। यही कारण है कि वे अब भी जी-जान से औरंगजेब जैसे लोगों की कब्रों को किसी भी तरह बचाने के काम में लगे हुए हैं। लेकिन मुनीर भी जानते हैं कि उनकी अपनी सोच में भी कश्मीर ही मसला नहीं है। एटीएम के लिए मसला भारत को किसी भी तरह इस्लामी देश बनाना है। इसलिए आतंकवादियों की जो नस्लें तैयार की जा रही हैं, कश्मीर तो उसका पहला पड़ाव है। जिहादियों के लिए उनकी असली यात्रा तो उसके बाद शुरू होती है। यही कारण है कि अब तक तो भारत सरकार की क्रिया-प्रतिक्रिया भी अपने ही जम्मू-कश्मीर क्षेत्र में ही होती थी, चाहे जम्मू कश्मीर का वह क्षेत्र नियंत्रण रेखा के इस पार हो या उस पार हो। लेकिन अब नए भारत को समझ आ गया है कि मसला कश्मीर नहीं है।मसला एटीएम की वह बीमार मानसिकता है जो अभी भी मोहम्मद बिन कासिम के जमाने में जी रही है। यही कारण है कि भारत ने बहावलपुर तक जाकर जिहादियों के प्रशिक्षण शिविरों को नष्ट किया। बहावलपुर का जम्मू-कश्मीर से कोई ताल्लुक नहीं है, वह पश्चिमी पंजाब का हिस्सा है। भारत ने पाकिस्तान को जो उत्तर दिया है, उसके व्यापक अर्थ हैं। वह एटीएम की मानसिकता और अंग्रेजों द्वारा भारत के खिलाफ किए गए षड्यंत्रों को समाप्त करने की शुरुआत कही जा सकती है।

आलेख

आत्मघात की शिकार हो रहे छात्र

ललित गर्ग

टॉपर संस्कृति के दबाव और अव्वल आने की होड़ में छात्रों द्वारा तनाव, अवसाद, कुंठा में आत्महत्या कर लेना गंभीर समस्या है। दुर्भाग्यपूर्ण है कि हमारी छात्र प्रतिभाएं आसमानी उम्मीदों, टॉपर संस्कृति के दबाव और शिक्षा तंत्र की विसंगतियों के चलते आत्मघात की शिकार हो रही हैं। हाल में छात्रों की लगातार दुखद मौतें जहां शिक्षा प्रणाली में अतिश्योक्तिपूर्ण प्रतिस्पर्धा पर प्रश्न खड़े करती है, वहीं विचलित भी करती हैं। निश्चित रूप से छात्र-छात्राओं के लिए घातक साबित हो रही टॉपर्स संस्कृति में बदलाव लाने के लिए नीतिगत फैसलों की सख्त जरूरत है। राजस्थान सरकार की ओर से प्रस्तावित कोचिंग संस्थान (नियंत्रण एवं विनियमन) विधेयक इस दिशा में बदलावकारी साबित हो सकता है। लेकिन केंद्र सरकार को भी ऐसे ही कदम उठाने होंगे ताकि छात्रों में आत्महत्या की समस्या के दिन-पर-दिन विकराल होते जाने पर अंकुश लग सके। दुखद ही है कि सुनहरे सपने पूरा करने का ख्वाब लेकर कोटा गए चौदह छात्रों ने इस साल आत्महत्याएं कीं। विडंबना यह है कि बार-बार चेतावनी देने के बावजूद कोचिंग संस्थानों के संरचनात्मक दबाव, उच्च दांव वाली परीक्षाओं, गलाकाट स्पर्धा, दोषपूर्ण कोचिंग प्रथाएं और सफलता की गारंटी के दावों का सिलसिला थमा नहीं है। यही वजह है कि हाल में केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण यानी सीसीपीए ने कई कोचिंग संस्थानों को भ्रामक विज्ञापनों और अनुचित व्यापारिक प्रथाओं के चलते नोटिस दिए हैं। दरअसल, कई कोचिंग संस्थान जमीनी हकीकत के विपरीत शीर्ष रैंक दिलाने और चयन की गारंटी देने के थोथे एवं लुभावने वादे करते रहते हैं। निस्संदेह, ऐसे खोखले दावे अक्सर कमजोर छात्रों और चिंतित अभिभावकों के लिए घातक चक्रव्यूह बन जाते हैं। छात्रों को अनावश्यक प्रतिस्पर्धा के लिए बाध्य करना और योग्यता को अंकों के जरिए रैंकिंग से जोड़ना कालांतर में अन्य छात्रों को भी निराशा के भंवर में फंसा देता है। वास्तव में सरकार को ऐसा पारिस्थितिकीय तंत्र विकसित करना चाहिए जो विभिन्न क्षेत्रों में रु चि रखने वाले युवाओं के लिए पर्याप्त संख्या में रोजगार अवसर पैदा कर सके। आत्महत्या शब्द जीवन से पलायन का डरावना सत्य है, जो दिल को दहलाता है, डराता है, खौफ पैदा करता है, दर्द देता है। वैसे छात्रों की आत्महत्या कोई नई बात नहीं है, ऐसी खबरें हर कुछ समय बाद आती रहती हैं। रिकॉर्ड बताते हैं कि पिछले एक दशक में कोचिंग संस्थानों में ही नहीं, आईआईटी जैसे संस्थानों में भी 52 छात्र आत्महत्या कर चुके हैं। यह संख्या इतनी छोटी भी नहीं कि ऐसे मामलों को अपवाद मान कर नजरअंदाज कर दिया जाए। बेशक, ऐसे हर मामले में अवसाद का कारण कुछ अलग रहा होगा, वे अलग-अलग तरह के दबाव होंगे, जिनके कारण ये छात्र-छात्राएं आत्महत्या के लिए बाध्य हुए होंगे। शैक्षणिक दबावों के चलते छात्रों में आत्महंता होने की घातक प्रवृत्ति का तेजी से बढ़ना हमारे नीति-निर्माताओं के लिए चिंता का कारण बनना चाहिए। क्या विकास के लंबे-चौड़े दावे करने वाली सरकार ने इसके बारे में कभी सोचा? विचित्र है कि जो देश दुनिया भर में अपनी संतुलित जीवनशैली एवं अहिंसा के लिए जाना जाता है, वहां के शिक्षा-संस्थानों में हिंसा का भाव पनपना एवं छात्रों के आत्महंता होते जाने की प्रवृत्ति का बढ़ना अनेक प्रश्नों को खड़ा कर रहा है लेकिन क्या कुछ सार्थक पहल होगी? जरूरी है कि कोचिंग संस्थान अपनी कार्यशैली एवं परिवेश में आमूल-चूल पर्वितन करें ताकि छात्रों पर बढ़ते दबावों को खत्म किया जा सके। फिलहाल, जरूरी यह भी है कि इन संस्थानों में ऐसा तंत्र विकसित किया जाए जो निराश, हताश और अवसादग्रस्त छात्रों के लगातार संपर्क में रह कर उनमें आशा का संचार कर सके। आज रोजगार के अवसर लगभग समाप्त हैं। ग्रेजुएशन कर चुकने वाला छात्र किसी दफ्तर में ही अपने लिए संभावनाएं तलाशता है, लेकिन नौकरी नहीं मिलती। बेरोजगारी अवसाद की ओर ले जाती है, और अवसाद आत्महत्या में त्राण पाता है। कोचिंग संस्थानों एवं शिक्षा के उच्च संस्थान में अवसाद पसरा है और उसके कारण छात्र यदि आत्महत्या करते हैं, तो यह उच्च शैक्षणिक संस्थानों एवं कोचिंग संस्थानों के भाल पर बदनुमा दाग है। माना जाता है कि देश की प्रखर प्रतिभाएं कोचिंग संस्थानों में पहुंचती हैं, जहां आत्महत्या की लगातार खबरें यह तो बताती ही हैं कि कोचिंग संस्थानों में सब कुछ ठीक नहीं चल रहा। जरूरी है कि कोचिंग संस्थान अपनी कार्यशैली एवं परिवेश में आमूल-चूल पर्वितन करें। जब छात्रों में अव्वल आने की मनोवृत्ति, कॅरिअर एवं 'बी नम्बर वन' की दौड़ सिर पर सवार होती है, और उसे पूरा करने के लिए छात्र साधन, क्षमता, योग्यता एवं परिस्थितियां नहीं जुटा पाते तो कुंठित, तनावग्रस्त एवं अवसादग्रस्त हो जाते हैं, ऐसे व्यक्ति को अंतिम समाधान आत्महत्या में ही दिखता है।

घोटाले या भ्रष्टाचार के आरोप,एक राजनीतिक मकसद

अजीत द्विवेदी

भारतीय जनता पार्टी ने 2014 का लोकसभा चुनाव भ्रष्टाचार के मुद्दे पर लड़ा था। तब भाजपा के बड़े नेता सुषमा स्वराज और अरुण जेटली कांग्रेस पर हमले की कमान संभालते थे। पीयूष गोयल, निर्मला सीतारमण, प्रकाश जावडेकर, रविशंकर प्रसाद, मीनाक्षी लेखी जैसे प्रवक्ता थे, राजनाथ सिंह पार्टी के अध्यक्ष थे और सबसे ऊपर नरेंद्र मोदी प्रधानमंत्री पद के दावेदार के तौर पर चुनाव लड़ रहे थे। सबने मिल कर यह माहौल बनाया था कि मनमोहन सिंह के नेतृत्व वाली यूपीए सरकार आकंठ भ्रष्टाचार में डूबी है। भ्रष्टाचार का नैरेटिव आम लोगों तक पहुंचना के लिए दो जुमले गढ़े गए थे। एक जुमला था 'धरती, आकाश और पाताल तक का घोटाला' और दूसरा जुमला था 'ए टू जेड घोटाला'। भाजपा के नेता अंग्रेजी अल्फाबेट के हर अक्षर से एक घोटाला बनाए हुए थे, जिसका आरोप कांग्रेस पर लगाया जा रहा था। भ्रष्टाचार के मुद्दे पर लड़े गए इस चुनाव में पहली बार पूर्ण बहुमत के साथ भाजपा की सरकार बनी। तब से भाजपा तीन बार सरकार बना चुकी है लेकिन 'ए टू जेड घोटाले' से जुड़े मामलों में एक लालू प्रसाद को छोड़ कर किसी व्यक्ति को सजा नहीं हुई है। उलटे एक एक करके घोटालों की जांच बंद हो रही है और आरोपी बरी होते जा रहे हैं। भाजपा की ओर से गिनाए गए 'ए टू जेड घोटाले' में 'सी फॉर कॉमनवेल्थ' घोटाला होता था। इस घोटाले के मुख्य आरोपी कांग्रेस के तत्कालीन सांसद और इंडियन ओलंपिक एसोसिएशन के तत्कालीन अध्यक्ष सुरेश कलमाडी थे। आरोप लगा था कि उन्होंने दिल्ली में 2010 में हुए कॉमनवेल्थ खेल आयोजन में घोटाला किया था। फॉर्मूला वन रेस को लेकर भी उन पर आरोप लगे थे लेकिन भाजपा का फोकस 'सी फॉर कॉमनवेल्थ' घोटाले पर ही था। तब की मनमोहन सिंह सरकार ने इस मामले में सीबीआई जांच शुरू कराई और ईडी की जांच भी शुरू हुई। कलमाडी जेल गए और उनका राजनीतिक करियर समाप्त हो गया। अब स्थिति यह है कि दोनों एजेंसियों की जांच समाप्त हो गई है। 15 साल बाद दिल्ली की एक विशेष अदालत ने कलमाडी पर लगे धन शोधन के आरोपों में ईडी की ओर से दायर क्लोजर रिपोर्ट स्वीकार कर ली है। इससे पहले सीबीआई ने 2014 में ही क्लोजर रिपोर्ट दाखिल की थी, जिसे 2016 में स्वीकार कर लिया गया था। इस तरह भ्रष्टाचार का मूल मामला 2016 में बंद हुआ था और धन शोधन का मामला 2025 में बंद हो गया। कथित घोटाले के 15 साल बाद कह सकते हैं कि कोई घोटाला नहीं हुआ था और कलमाडी ने कोई गलती नहीं थी। उलटे उन्होंने कॉमनवेल्थ खेलों का शानदार आयोजन किया था। उनके खिलाफ जो भी थोड़ी बहुत कार्रवाई हुई वह उनकी अपनी पार्टी की सरकार ने ही कराई। ऐसा नहीं है कि यह इकलौता मामला है, जिसे भाजपा ने बड़े जोर शोर से उठाया और आरोपियों को क्लीन चिट मिल गई। भाजपा ने जो सबसे बड़ा मुद्दा उठाया था वह संचार घोटाले का था। भाजपा की 'ए टू जेड' की सूची में 'टी फॉर टेलीकॉम' घोटाला था। तत्कालीन सीएजी विनोद राय ने 2जी स्पेक्ट्रम के आवंटन में गड़बड़ी का आरोप लगाया था और दावा किया था कि इससे सरकार को एक लाख 76 हजार करोड़ रुपए का अनुमानित नुकसान हुआ है। इस एक लाख 76 हजार के अनुमानित नुकसान और घोटाले के आरोप इतनी जोर शोर से लगाए गए कि तत्कालीन मनमोहन सिंह सरकार के संचार मंत्री और घोटाले के आरोपी ए राजा को पद से हटाया गया और उनको गिरफ्तार किया गया। यूपीए के घटक दल डीएमके के नेता करुणानिधि की सांसद बेटी कनिमोझी भी जेल गईं। कई बड़ी कंपनियों के बड़े अधिकारी जेल गए। लेकिन आरोप लगने के छह साल बाद 2017 में दिल्ली की विशेष अदालत ने सीबीआई और ईडी के मामले में ए राजा और कनिमोझी सहित सभी आरोपियों को बरी कर दिया। हालांकि उसके छह साल बाद मार्च 2024 में हाई कोर्ट ने निचली अदालत के फैसले के खिलाफ सीबीआई की अपील स्वीकार कर ली और इस मामले की फिर से जांच के आदेश दिए। लेकिन हकीकत यह है कि सारे आरोपी बरी हो गए। ए राजा और कनिमोझी सांसद बने और अब तो ए राजा तो लोकसभा के पीठासीन अधिकारियों की सूची में हैं यानी वे कभी कभी लोकसभा की कार्यवाही का संचालन भी करते हैं। संचार की तरह दूसरा बड़ा घोटाला कोयला घोटाला था। भाजपा की 'ए टू जेड' की सूची में 'सी फॉर कोयला' घोटाला होता था। जिस तरह से संचार घोटाले में एक लाख 76 हजार करोड़ रुपए के अनुमानित नुकसान का आकलन किया गया था उसी तरह कोयला घोटाले में तीन लाख 30 हजार करोड़ रुपए के नुकसान का अनुमान जाहिर किया गया। 2006 से 2008 तक झारखंड के मुख्यमंत्री रहे मधु कोड़ा से लेकर भारत सरकार के तत्कालीन कोयला सचिव एचसी गुप्ता तक इस मामले में आरोपी थे। इस घोटाले की आंच मनमोहन सिंह तक पहुंची थी क्योंकि थोड़े समय तक कोयला मंत्रालय उनके पास भी था। अब स्थिति यह है कि दिल्ली की एक विशेष अदालत ने अप्रैल 2025 में एचसी गुप्ता और केएस क्रोफा को सभी आरोपों से मुक्त कर दिया। अदालत ने कहा कि उन्होंने कोई रिश्वत नहीं ली थी। उनके ऊपर गुमराह करने के आरोपों को भी अदालत ने खारिज कर दिया। बाकी आरोपियों का बरी होना भी महज वक्त की बात है। भाजपा के ए टू जेड घोटालों की सूची आदर्श घोटाले से शुरू होती थी। 'ए फॉर आदर्श' घोटाला। इस मामले में महाराष्ट्र के तत्कालीन मुख्यमंत्री अशोक चव्हाण मुख्य आरोपी थी। उनके ऊपर आरोप लगाया गया था कि कारगिल शहीदों के लिए सरकारी जमीन पर बनी आदर्श सोसायटी में बड़ा घोटाला हुआ और दूसरे लोगों को फ्लैट आवंटित किए गए। इस घोटाले के मुख्य आरोपी अशोक चव्हाण अब भाजपा में शामिल हो गए हैं। इसलिए उनका सभी आरोपों से बरी होना महज वक्त की बात है। भाजपा की सूची में 'एम फॉर मधु कोड़ा' घोटाला कहा जाता था। उनके खिलाफ भी कोई आरोप प्रमाणित नहीं हुआ है और वे भी अपनी पत्नी के साथ भाजपा में शामिल हो गए हैं।

लखपति हुआ दस ग्राम सोना.....

अनुज आचार्य

उत्पादन के लिहाज से दुनिया में सोने की सबसे बड़ी खदान उज्बेकिस्तान के मुरुताऊ में है। 2015 में यहां से 61 टन सोना निकाला गया था। उम्मीद है कि केंद्र सरकार शीघ्र ही आभूषण उद्योग एवं स्वर्णकारों के साथ-साथ घरेलू उपभोक्ताओं को राहत प्रदान करते हुए सोने-चांदी के दामों को नियंत्रित करने के उपायों पर काम करेगी। इन दिनों आसमान छूती सोने-चांदी की कीमतों के चलते अपने बच्चों की शादी की तैयारियों में जुटे अभिभावकों में भय और असमंजस का माहौल व्याप्त है इस साल 22 अप्रैल मंगलवार को सोने ने नया रिकॉर्ड बनाया और पहली बार इसकी कीमत एक लाख रुपए प्रति 10 ग्राम हो गई। सोना अब सिर्फगहनों की मांग तक ही सीमित नहीं रह गया है, बल्कि लोग इसे निवेश और समृद्धि का प्रतीक मानकर भी खरीद रहे हैं। आने वाले समय में सोने की कीमतों में और बढ़ोतरी की संभावना से इंकार नहीं किया जा सकता है। वर्ष 2024-25 रिटर्न के लिहाज से 39 साल में सबसे अच्छा साल रहा है, जब सोने ने अपने निवेशकों को 33.31 फीसदी का रिटर्न दिया है। अमेरिका और चीन के बीच व्यापार युद्ध को लेकर अनिश्चितताओं ने भी सोने को रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंचा दिया है। रूस-यूक्रेन युद्ध और पश्चिम एशिया में तनाव से भी सुरक्षित निवेश के लिए सोने की वैश्विक मांग बढ़ी है। दुनियाभर के केंद्रीय बैंक लगातार सोना खरीद रहे हैं। 2022 से 2024 के बीच कई देशों के केंद्रीय बैंकों ने हर साल 1000 टन से अधिक सोना खरीदा है। विश्व स्वर्ण परिषद के अनुसार इस समय विश्व के देशों में संयुक्त राज्य अमेरिका 8133.46 टन स्वर्ण भंडार के साथ नंबर एक पर है तो जर्मनी 3351.53, इटली 2451.84, फ्रांस 2437 और चीन 2279.56 टन स्वर्ण भंडारों के साथ क्रमश: दूसरे, तीसरे, चौथे और पांचवें स्थान पर हैं, जबकि 876.18 टन स्वर्ण भंडार के साथ भारत विश्व में सातवें स्थान पर है। नवीनतम जानकारी के अनुसार, 2025 में भारत सरकार के स्वर्ण भंडार में 879.6 टन सोना था। भारत में लॉकडाउन लागू होने के बाद 02 अप्रैल 2020 में अंतरराष्ट्रीय बाजारों में प्रति दस ग्राम सोने के दाम 45131 रुपए थे और 11 अगस्त 2020 को चांदी महंगी होकर 74000 रुपए प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई थी और अब इन दोनों ही कीमती धातुओं ने एक लाख के आंकड़े को छू लिया है। भारतीय धर्म संस्कृति एवं स्थानीय रीति-रिवाजों के हिसाब से भारतीयों में सदैव सोने के प्रति दीवानगी एवं आकर्षण पाया गया है। हमारे देवी-देवताओं की प्रतिमाओं के श्रृंगार में हीरे जवाहरात और सोने के आभूषणों का प्रयोग बहुतायत में देखा जा सकता है। भारतीय महिलाओं द्वारा शादी और धार्मिक अनुष्ठानों अथवा विशेष कार्यक्रमों में आभूषणों द्वारा अपना श्रृंगार करना अभी भी प्रचलन में है। यही वजह है कि शादी के मौके पर वर-वधू पक्ष द्वारा सोने की खरीददारी करना भी परंपरा का अभिन्न हिस्सा है और शुभ माना जाता है। आम भारतीय अपनी बचत का 11 फीसदी सोने में निवेश करता है। अनुमान है कि भारत में कुल 24000 टन सोना है जिसमें से अकेले भारतीय महिलाओं के पास 20000 टन सोना है। भारत में सोने का सालाना उत्पादन पंद्रह सौ किलोग्राम के आसपास है जबकि खपत लगभग 850 टन के आसपास है। भारत सरकार ने भी सोने की खरीद की ओर कदम बढ़ाए हैं और भारत का स्वर्ण भंडार करीब 28.56 अरब डॉलर का है। भारत हर साल लगभग 800 टन सोना आयात करता है। सोने के दामों में आगे कोई कमी आएगी, इस पर भी संशय बरकरार है। दुनिया भर में कुल सोने का 48 फीसदी जेवरात के रूप में लोगों के पास है। विश्व भर में अब तक 1 लाख 90 हजार 40 टन सोना निकाला गया है। जिसमें से 01 लाख 26 हजार टन सोना तो केवल 1950 के बाद ही खनन द्वारा उत्पादित किया गया है। इसके अलावा मुथूट फाइनेंस, मणपुरम फाइनेंस जैसे निजी बैंकों के पास भी 200 टन सोना है। मंदिरों के पास भी करीब 2500 टन सोना है। विश्व में चीन सोने का सबसे बड़ा उत्पादक देश है। 2017 में चीन में 426.14 टन सोने का उत्पादन हुआ था। एसोचैम के अनुसार भारत की सोने की घरेलू मांग सालाना 900 टन है जबकि उत्पादन मात्र 1500 किलोग्राम के आसपास ही है। वर्ल्ड गोल्ड काउंसिल की रिपोर्ट के मुताबिक भारत अपनी उत्पादन क्षमता को बढ़ा सकता है और इसके लिए भारत सरकार को लगभग एक अरब डॉलर का निवेश करना पड़ेगा। वहीं गोल्डमाइंस कम्पनी आस्ट्रेलिया के निदेशक निक स्पेंसर का मानना है कि भारत हर साल 100 टन सोने का उत्पादन कर सकता है और इस प्रक्रिया में देश के एक लाख से ज्यादा लोगों को रोजगार मिल सकता है। भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण विभाग ने राजस्थान के उदयपुर जिले में लगभग 11.48 करोड़ टन सोने के भंडार का अनुमान लगाया है। देश का 88.7 फीसदी सोना कर्नाटक के कोलार, धारवाड़, हासन और रायचूर जिलों से निकाला जाता है। कर्नाटक में 17 लाख टन सोने के अयस्क का भंडार है तो वहीं आंध्रप्रदेश, झारखंड और केरल से भी कुछ मात्रा में सोना निकाला जा रहा है। उत्पादन के लिहाज से दुनिया में सोने की सबसे बड़ी खदान उज्बेकिस्तान के मुरुताऊ में है। 2015 में यहां से 61 टन सोना निकाला गया था।

संक्षिप्त समाचार

इंदौर से नांद्रे के लिए मुनिश्री सारस्वत सागर जी, जयंत सागर जी, सिद्ध सागर जी एवं क्षुल्लक श्रुत सागर जी महाराज का होगा विहार

श्रमण श्री 108 सारस्वत सागर जी | श्रमण श्री 108 जयंत सागर जी | श्रमण श्री 108 सिद्ध सागर जी | क्षुल्लक श्री 105 श्रुतसागर जी

नांद्रे/महाराष्ट्र (विश्व परिवार)। नांद्रे नगरी का परम सौभाग्य हैं की सन 2025 के पावन वर्षायोग के लिए अध्यात्म योगी, चर्या शिरोमणी, पट्टाचार्य श्री 108 श्री विशुद्धसागर जी महाराज के परम प्रभावक शिष्य श्रमण मुनी श्री सारस्वत सागर जी महाराज, श्रमण मुनी श्री जयंत सागर जी महाराज, श्रमण मुनी श्री सिद्ध सागर जी महाराज एवं क्षुल्लक श्रुत सागर महाराज जी का विहार इंदौर (मध्य प्रदेश) से नांद्रे (महाराष्ट्र) के लिए 10 मई से प्रारंभ हुआ। 800 किलोमिटर की दुरी चलकर मुनीराज इंदौर से नांद्रे को पधारेंगे। नांदणी के प.पु. जिनसेन भट्टारक महास्वामीजी का मार्गदर्शन मिलेगा। विहार में श्रावक-श्राविका संमिलीत होकर पुण्य संपादित करें ऐसा आव्हाहन श्री 1008 भगवान महावीर दिगंबर जैन मंदिर कमिटी नांद्रे के अध्यक्ष श्री जिनेश्वर जी पाटील एवं सकल दिगंबर जैन समाज नांद्रे द्वारा किया गया हैं। पट्टाचार्य श्री विशुद्ध सागर जी महाराज को श्रीफल चढाकर नांद्रे के श्रावक श्री एन. जे. पाटील, श्री अनिल पाचोरे, श्री सुधीर चौधरी, श्री अभिजीत सकळे, श्री निखिल पाटील, श्री नविनकुमार पाटील एवं श्री वैभव चौधरी एवं कोल्हापुर के श्री अभिषेक पाटील ने आशिर्वाद प्राप्त किया। -**अभिषेक अशोक पाटील**

छत्तीसगढ़ प्रदेश वाहन चालक संघ का स्थापना दिवस कार्यक्रम चंगोरा भाटा में मनाया गया

रायपुर (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ प्रदेश वाहन चालक संघ का स्थापना दिवस का कार्यक्रम बीएमएस कार्यालय पीएस सिटी न्यू चंगोरा भाटा में रखा गया संगठन के सभी पदाधिकारी एवं सभी सदस्य उपस्थित रहे जिसमें प्रमुख रूप से संगठन के प्रदेश अध्यक्ष गेंदलाल साहू लौह शिल्पकार बोर्ड के अध्यक्ष श्री प्रफुल विश्वकर्मा जी महामंत्री दीपक बाग सचिव पूरन दूरियां हैरिसन रॉय रायपुर बीएमएस के जिला मंत्री रामेश्वर कन्नौजे जी जिला अध्यक्ष मनोज साहू अंजू शर्मा लता साहू चम्पा महानंद आदि प्रमुख रूप से संगठन के 2 वर्ष पूर्ण होने पर संगठन द्वारा किए गए कार्य पर चर्चा हुई संगठन के द्वारा सभी चालकों ने नशा मुक्त चालक हो कर वाहन चलाने का संकल्प लिया और नशा मुक्त चालक अभियान पूरे प्रदेश में चलाने का संकल्प लिया।

समता उद्यान का होगा सौंदरीकरण, बनेगा पाथवे

भिलाई (विश्व परिवार)। भिलाई नेहरू नगर पश्चिम के वार्ड क्रमांक 4 स्थित में स्थित समता उद्यान का सौंदर्य करण किया जाएगा। स्थानीय निवासी रामकुमार गुप्ता के साथ अन्य लोगों द्वारा पूर्व में निर्मित समता उद्यान का सौंदर्यकरण, पाथवे का निर्माण, बच्चों को खेलने के लिए झूला, योग करने के लिए मंच, एक्सरसाइज करने के लिए जिम आदि का मांग हेतु पत्र दिया गया था। उसी को देखने के लिए आज आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय जोन आयुक्त अजय सिंह राजपूत उद्यान अधिकारी तुलेश्वर साहू को लेकर के समता उद्यान निरीक्षण करने पहुंचे। वहां के स्थानीय निवासियों के साथ समता उद्यान के चारों तरफ भ्रमण करते हुए सबके साथ मिलकर के योजना बनाई गई। किस प्रकार से उद्यान को और व्यवस्थित बना दिया जाए। जिससे लोगों के लिए टहलने, बैठने, घूमने एवं अन्य सामाजिक गतिविधियां करने के लिए सुगम हो जाए। उसके लिए प्रस्ताव बनाने के लिए जोन आयुक्त को निर्देशित किये। उद्यान अधिकारी को तत्काल रूप से उद्यान की साफ सफाई एवं जो झूले या खेल के उपकरण लगे हैं उसे साफ सुथरा व्यवस्थित करने के लिए निर्देशित किये। स्थानीय निवासियों ने आयुक्त से वादा किया कि एक बार नगर निगम भिलाई द्वारा बना करके दे दिया जाएगा तो हम लोग इसके रखरखाव देखरेख की जिम्मेदारी स्वयं करेंगे। शासन का पब्लिक भागीदारी से उद्यानों का रखरखाव एवं देख-देख करने की योजना चल रही है।

मुनि श्री प्रमाणसागर जी महाराज ने केश-लोंच किया

भोपाल (विश्व परिवार)। संत शिरोमणि आचार्य श्री विद्यासागर जी महा मुनि महाराज के परम प्रभावक शिष्य, प्रखर वक्ता, प्रामाणिक संत मुनिश्री प्रमाणसागर जी महाराज ने प्रात:काल केश-लोंच किया।

प्रवक्ता अविनाश जैन विद्यावाणी ने बताया केशलोंच जैन धर्म में साधु-संतों द्वारा की जाने वाली एक कठिन तपस्या है, जिसमें वे अपने हाथों से सिर, मूंछ और दाढ़ी के बालों को उखाड़ते हैं. इस प्रक्रिया को संयम, अहिंसा और स्वावलंबन की भावना तथाअहिंसा धर्म का पालन करने और स्वावलंबी बनने के लिए करते हैं, केशलोंच करते समय, साधु कंडे की राख का उपयोग करते हैं ताकि पसीने से हाथ न फिसलें और खून निकलने पर ज़्यादा न निकले, केशलोंच करते समय, एक मुनि का भाव कर्म निर्जरा का होता है और वह उस दर्द को सहन करते है, तथा केशलोंच कर उपवास रखते हैं ताकि केशों के लुंचन से बालों में मौजूद जीवों का कष्ट या घात हुआ हो उसका प्रायश्चित हो सके मुनि श्री प्रत्येक दो माह में उत्कृष्ट चर्या के साथ अपना केशलोंच करते है। -**अविनाश जैन**

1008 मंत्रों से हुई महा शांतिधारा

भोपाल (विश्व परिवार)। संत शिरामणी आचार्य श्री 108 विद्यासागर जी के परम प्रभावक शिष्य गुणायतन प्रणेता मुनि श्री 108 प्रमाण सागर जी महाराज ससंघ के सानिध्य एवं परम पूज्य मुनि श्री 108 संधान सागर जी महाराज के निर्देशन में अवधपुरी - भोपाल स्थित समन्वय नगर के भव्य जिनालय के मूलनायक 1008 श्री पार्श्वनाथ भगवान के मस्तक पर 108 श्री पार्श्वनाथ भगवान के मस्तक पर 1008 मंत्रों से पूर्णिमा के पावन अवसर पर महाशांतिधारा हुई। मुनि श्री संधान सागर जी के मुखारविन्द से उच्चारित मंत्रो एवं संघस्थ सभी क्षुल्लक महाराज की उपस्थिति में इस शांतिधारा में अवधपुरी सहित भोपाल के श्रावकों ने भाग लेकर पुण्य कमाया। मुनि श्री ने बताया हर माह की पूर्णिमा को यह महाशांतिधारा होती है। जिसका बहुत महत्व एवं प्रभाव है। आधि - व्याधि शोक - संताप एवं विश्वशांति के लिए यह शांतिधारा की गयी। प्रथम शांतिधारा में चार लोंगो ने पुण्य कमाया अध्यक्ष श्री सुमनकांत जी जैन, मोनू अंकित जैन, चंदन नगर (समस्त एसएस ग्रुप), अंशुल जैन, संजय बसंत जैन अवधपुरी साथ ही पूरा महिला मंडल एक ही वेशभूषा में उपस्थित हो एकता का परिचय दिया। परम पूज्य मुनि श्री प्रमाण सागर जी महाराज आज केशलोंच भी किया।

बुद्ध पूर्णिमा के पावन अवसर पर सम्पन्न हुई भव्य खारून गंगा महाआरती

रायपुर (विश्व परिवार)। माँ खारून गंगा आरती महादेव घाट समिति द्वारा आयोजित खारून गंगा महाआरती का आयोजन आज बुद्ध पूर्णिमा के पावन अवसर पर श्रद्धा, भक्ति और दिव्यता के साथ सम्पन्न हुआ। विगत तीन वर्षों से निरंतर आयोजित हो रही यह आरती आज भी सायंकाल महादेव घाट पर हजारों श्रद्धालुओं, सनातन धर्मावलंबियों एवं समाजसेवियों की उपस्थिति में सम्पन्न हुई। आरती स्थल पर साधु-संतों, विद्वान पंडितों और गणमान्य नागरिकों की गरिमामयी उपस्थिति ने आयोजन को विशेष आध्यात्मिक ऊँचाइयाँ प्रदान कीं। इस अवसर पर रायपुर उत्तर विधानसभा क्षेत्र के विधायक आदरणीय श्री पुरन्दर मिश्रा जी भी विशेष रूप से उपस्थित रहे। उन्होंने माँ खारून की महाआरती में भाग लेकर सभी श्रद्धालुओं के साथ इस दिव्य क्षण का पुण्य लाभ लिया तथा आयोजन की भूरि-भूरि प्रशंसा की।

आचार्य श्री पुलक सागर जी महाराज का 55वां अवतरण दिवस भक्तिभाव से मनाया

जरुरतमंद परिवारों को 15000 किलो गेहूं किया वितरित

जयपुर (विश्व परिवार)। दिगम्बर जैन आचार्य, राष्ट्र संत, भारत गौरव 108 पुलक सागर महाराज का 55वां अवतरण दिवस भट्टारक जी की नसिया में भक्ति भाव से मनाया गया।

इस मौके पर पर पुलक मॅच परिवार की ओर से जरुरतमंद जैन समुदाय एवं असमर्थ असहाय परिवारो को गेहूं एवं अन्न नि:शुल्क वितरण किया गया। समाजसेवी कुशल ठोलिया ने बताया कि इस मौके पर 15000 किलो गेंहू वितरण किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में विधायक काली चरण सराफ, विशिष्ट अतिथि नगर निगम हैरिटेज महापौर कुसुम यादव, दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र श्री महावीर जी के अध्यक्ष सुधांशु कासलीवाल, राजस्थान जैन सभा जयपुर के अध्यक्ष सुभाष चन्द जैन ने भगवान महावीर एवं आचार्य पुलक सागर महाराज के चित्र के समक्ष दीप प्रज्जवलन कर शुभारंभ किया।

कमल बाबू जैन, विनोद जैन कोटखावदा, मीना चौधरी आदि ने आचार्य पुलक सागर महाराज को उनके 55 वें अवतरण दिवस पर विनयांजली प्रस्तुत की। पुलक मंच परिवार की ओर से कुशल ठोलिया, मधु ठोलिया, रितेश लुहाडिया, दीपक पाटोदी, मधु ठोलिया, नीतू सोगानी आदि ने सभी अतिथियों का स्वागत एवं सम्मान किया गया। इस मौके पर मीना चौधरी ने मंगलाचरण प्रस्तुत किया गया।

देश की सुरक्षा में लगे सिपाहियों के सुरक्षित स्वास्थ्य हेतु सकल जैन समाज ने सवा लाख नवकार महामंत्र का जाप कर बनाया सुरक्षा कवच

रायपुर (विश्व परिवार)। खरतरगच्छाधिपति आचार्य श्री जिनमणिप्रभ सूरीश्वर जी द्वारा प्रतिष्ठित श्री सीमंधर स्वामी जैन मंदिर व चमत्कारी श्री जिनकुशल सूरि जैन दादाबाड़ी भैरव सोसायटी में राष्ट्र की सुरक्षा के लिए तैनात सैनिकों के सुरक्षित स्वास्थ्य के लिए आज सोमवती पूनम के अवसर पर सवा लाख नवकार महामंत्र का जाप कर सुरक्षा कवच बनाया गया। श्री सीमंधर स्वामी जैन मंदिर व दादाबाड़ी ट्रस्ट के अध्यक्ष संतोष बैद व महासचिव महेन्द्र कोचर ने कहा कि देश में राष्ट्र में समाज में शान्ति हो, सैनिक अपने शौर्य पराक्रम वीरता से देश की रक्षा करें, सैनिकों के सुरक्षित स्वास्थ्य हेतु सकल जैन समाज द्वारा नवकार महामंत्र का जाप किया गया। ट्रस्टी नीलेश गोलछा व डॉ योगेश बंगानी ने बताया कि श्री सीमंधर स्वामी जैन मंदिर, भैरव सोसायटी में पहलगाम आतंकी हमले पर जनभावनाओं की पोस्टर प्रदर्शनी लगाई गई है। पहलगाम की आतंकी घटना पर अनेक बच्चों युवाओं ने पोस्टर पर अपने विचार कविताओं के माध्यम से व्यक्त किए हैं। मंदिर परिसर में पोस्टर प्रदर्शनी का सैकड़ों भाई बहनों ने अवलोकन किया व सराहना की। महासचिव महेन्द्र कोचर ने आगे बताया कि जैन परम्परा में नवकार महामंत्र में असीम शक्ति समाहित है। नवकार के जाप से बड़े से बड़े संकट टल जाते हैं। सकल जैन समाज ने सवा लाख नवकार जाप कर सैनिकों के लिए सुरक्षा कवच बना कर राष्ट्र के लिए अपनी आहुति दी है।

छत्तीसगढ़ अतिथि व्याख्याता संघ ने नियमितीकरण की मांग की, प्रेससवार्ता में दी जानकारी

रायपुर (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में आज छत्तीसगढ़ अतिथि व्याख्याता पीएचडी, नेट, सेट कल्याण संघ द्वारा एक महत्वपूर्ण प्रेसवार्ता आयोजित की गई। इस प्रेसवार्ता की अध्यक्षता संघ की प्रदेशाध्यक्ष डॉ. श्रीमती कंचन गिलहरे ने की। मुख्य रूप से छत्तीसगढ़ के महाविद्यालयों में कार्यरत अतिथि व्याख्याताओं के नियमितीकरण एवं एकमुश्त वेतनमान की मांग को लेकर यह वार्ता आयोजित की गई। साथ ही रायपुर संसद बृजहमोहन अग्रवाल से प्रतिनिधिमंडल ने, मुलाकात कर अपनी मांगो से अवगत कराया। डॉ. गिलहरे ने बताया कि प्रदेश के लगभग 300 अतिथि व्याख्याता, जो कि त्रष्ट के मापदंडों को पूर्ण करते हैं, बीते कई वर्षों से राज्य के 285 महाविद्यालयों में सतत सेवाएं दे रहे हैं, इसके बावजूद इन्हें न तो नियमित किया गया है और न ही एक समान वेतनमान प्राप्त हो रहा है। प्रेसवार्ता में यह भी बताया गया कि स्कूल शिक्षा विभाग ने अतिथि शिक्षकों के पदों को संरक्षित किया है, लेकिन उच्च शिक्षा विभाग की ओर से अब तक कोई ठोस पहल नहीं की गई है। यही नहीं, नियमित व्याख्याताओं की अनुपस्थिति में भी अतिथि व्याख्याताओं से कार्य लिया जा रहा है, जो कि श्रम कानून एवं नैतिकता के विरुद्ध है।

प्रेस वार्ता में यह मांग भी उठी कि राज्य में लागू अतिथि व्याख्याता नीति 2024 में वेतनमान की भारी विसंगतियां हैं, और इससे अतिथि शिक्षकों के हितों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। संघ का कहना है कि उच्च शिक्षा विभाग राज्य शासन के आदेशों की अवहेलना कर रहा है, जबकि न्यायालय द्वारा अनुमोदित समान कार्य के लिए समान वेतन का स्पष्ट निर्देश है। इस अवसर पर संघ की अन्य सदस्य रूपेन्द्र साहू, गायत्री साहू एवं अन्य सक्रिय पदाधिकारी उपस्थित रहे। सभी ने एक सुर में चेतावनी दी कि यदि उनकी मांगों पर शीघ्र कार्रवाई नहीं की जाती तो वे न्यायालय का दरवाजा खटखटाने से पीछे नहीं हटेंगे। अतिथि व्याख्याताओं की इस जायज़ मांग के समर्थन में अब विभिन्न शैक्षणिक संगठनों व सामाजिक संस्थाओं की प्रतिक्रियाएं सामने आने लगी हैं। अब देखना यह है कि राज्य शासन इस मुद्दे पर क्या रुख अपनाता है।

रंगारंग प्रस्तुतियों के साथ विद्यार्थी व अभिभावक हुए पुरस्कृत, समर क्लास का समापन समारोह

रायपुर (विश्व परिवार)। छत्रपति शिवाजी स्कूल, पुरानी बस्ती में 45 दिनों से चल रही ग्रीष्मकालीन कक्षाओं का समापन समारोह शानदार सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ आयोजित किया गया। इस अवसर पर इन कक्षाओं में बेहतर प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को तथा उनके माता-पिता को भी पुरस्कृत किया गया। इसमें विद्यार्थियों के लिए नृत्य, शुद्ध लेखन, वाचन आदि के लिए कक्षाएं लगाई गई। आज समापन के मौके पर विद्यार्थियों ने नृत्य, भाषण आदि के साथ साथ रीडिंग और राइटिंग से संबंधित एकल व सामूहिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। विभिन्न राज्यों के लोक गीतों सहित देशभक्ति व अन्य गीतों पर शानदार नृत्य प्रस्तुत किया गया। कक्षाओं में बेहतर प्रदर्शन के लिए निम्न विद्यार्थी पुरस्कार किए गए - नृत्य में वैभवी पदमवार, परी आलम, सृष्टि यदु, पूर्वी यदु, हेतल साहू, गार्गी यदु ..वाचन में नित्या सोनी, लावण्या सिन्हा, लक्षिता यदु ... शुद्ध लेखन में निहारिका धीवर, केतल सोनकर, रुही पटवा, रितिका तिवारी, नीलिमा सेन, ऐश्वर्या दुबे, श्रेया पटेल, आराध्या सोनी, परी आलम, योगिता फरिकार ...आज की प्रस्तुतियां देने वाले अन्य विद्यार्थी थे आर्या त्रिवेदी, आराध्या मिश्रा, खुशाली यादव, काव्या जैन, भूमिका देवांगन, पीहू चिन्नालोरे, सेजल यदु, मोनिका सिन्हा, गीतिका सारथी, हर्षिता सोनी आदि...इन विद्यार्थियों को स्कूल संचालक मुकेश शाह, प्राचार्या नफीसा रंगवाला व रशीदा फज़ली, शिरीन परवीन, आराधना बेदी, मौली चटर्जी, निर्मला बिसेन, वैशाली तिवारी, दीप्ति तिवारी, शचि मिश्रा, नगमा आदि ने पुरस्कृत किया। कार्यक्रम का संचालन वैशाली तिवारी ने किया जबकि आभार व्यक्त किया दीप्ति तिवारी ने।

मानसून के पहले शहर के नाले-नालियों में महा- सफाई अभियान, आयुक्त ने किया एमआईसी सदस्यों के साथ निरीक्षण, दिए निर्देश

मानसून के पहले शहर में निरंतर नाले नालियां हो रहें है साफ : आयुक्त

दुर्ग (विश्व परिवार)। नगर पालिक निगम सीमा क्षेत्र अंतर्गत 1 मई से लेकर 8 जून तक महापौर महा-सफाई अभियान के तहत बारिश शुरू होने के पहले महापौर श्रीमती अलका बाघमार के मार्गदर्शन में आज वार्ड नंबर 42 में आयुक्त सुमित अग्रवाल ने एमआईसी देव नारायण चन्द्राकर, नरेंद्र बंजारे, ज्ञानेश्वर ताम्रकर, स्थानीय प्रकाश गीते सहित संबंधित अधिकारियों के साथ निरीक्षण किया।

आयुक्त ने सोमवार को कसारिडीह पंचमुखी मंदिर में नाले-नालियों की वृहद रुप से साफ-सफाई महापौर महा सफाई अभियान के तहत वार्ड क्रमांक 42 कसारिडीह, आजाद चौक, राव कालेज, बेर पारा सुभाष नगर शिव मंदिर सहित चौराहे का निरीक्षण कर नगर निगम के अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। आयुक्त ने कहा कि मानसून के पहले शहर क्षेत्र के 60 वार्डो गली/मोहल्लों में जलभराव की स्थिति निर्मित ना हो इसके लिए वृहद रूप से महा-सफाई अभियान की शुरुआत की गई है। उन्होंने कहा कि इस अभियान के तहत शहर के समस्त नाले-नालियों की सफाई सुनिश्चित होगी।

आयुक्त ने एमआईसी सदस्य व पार्षद के मौजूदगी में कहा कि नाली सफाई के दौरान दिक्कत कर रही पुराने ओर बंद हो चुके नल कनेक्शन को हटवाए साथ ही पाइप लाइन लीकेज को सुधारने की बात कही। महापौर श्रीमती बाघमार और आयुक्त श्री अग्रवाल ने नाला और गली/मोहल्ले के नालियों मे लोग कचरा ना डाले इसके लिए अपील की है।

निरीक्षण के दौरान एमआईसी सदस्य देव नारायण चन्द्राकर, नरेंद्र बंजारे, ज्ञानेश्वर ताम्रकर, स्थानीय प्रकाश गीते, सहायक स्वच्छता अधिकारी पंकज चंद्रवंशी, कर्मशाला अधिकारी शोएब अहमद, गौतम साहू, सुरेश भारती, रामलाल भट्ट सहित सुपर वाइजर उपस्थित रहे।

मानसून के पहले शहर के निरन्तर नाले-नालियां हो रहें है साफ- आयुक्त ने बताया कि शहर के समस्त नाले नालियों की वृहद रुप से सफाई अभियान शुरुआत की गई है लगातार शहर क्षेत्र में अभियान चलाकर प्रतिदिन युद्ध स्तर पर महापौर महा- सफाई किया जा रहा है। आयुक्त ने कहा कि हर वर्ष मानसून पूर्व नगर निगम यह सफाई अभियान करता है, परंतु इस वर्ष निर्देशित किया है कि इस कार्य की शुरुआत पहले से ही कर दी गई है ।ताकि समय पर सफाई कार्य पूर्ण हो सके।

खुर्सीपार जोन क्रमांक-4 में सीवर लाइन पर अतिक्रमण करने वाले 86 लोगों को नोटिस दिया दिया

भिलाई (विश्व परिवार)। नगर निगम भिलाई क्षेत्र के खुर्सीपार में जहां पर स्थानीय निवासियों के मांग के अनुसार सीवर लाइन निर्माण का कार्य चल रहा है। कुछ लोगों द्वारा बीएसपी के समय का बने सीवर लाइन के ऊपर अतिक्रमण करके मकान बना लिया गया है। पूर्व में कुछ लोगों को नोटिस देकर के मकान खाली कराया गया था। आगे का काम जारी रखने के लिए अभी भी कुछ लोग ऐसे हैं जो बार-बार नोटिस देने के बाद भी अपना अतिक्रमण खाली नहीं कर रहे हैं। ऐसे 86 लोगों को आखिरी नोटिस दिया गया है। समय अवधि के अंदर अपना निर्माण स्वयं खाली कर ले, अन्यथा नगर निगम भिलाई की टीम द्वारा उसे जेसीबी से खाली कराया जाएगा। जिसमें अधिक नुकसान होने की संभावना रहती है। इसलिए सभी लोगों से अपील है कि समय अवधि के अंदर अतिक्रमण क्षेत्र को खाली कर दें। जिनके मकान पूरी तरह से प्रभावित हो रहे हैं वह प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत फॉर्म भरकर के नियमानुसार मकान प्राप्त कर सकते हैं। अभी वर्तमान में बरसात आने से पहले सीवरेज नाली का निर्माण किया जाना आवश्यक है। नहीं तो बारिश में जो नाली खोदी गई गई है उसमें पानी भरने संभावना बन जाएगी। निर्माण कार्य प्रभावित हो जाएगा। इसीलिए सभी लोगों से अपील है कि शीघ्रता से सहयोग करते हुए अतिक्रमण वाला क्षेत्र खाली कर देवे।

निरीक्षण : वार्ड में साफ-सफाई एवं नाला सफाई देख आयुक्त ने बारिश के पूर्व सभी नालों की सफाई कराने किए निर्देशित

निर्माण कार्य में एजुकेशन हब के शेष कार्य जल्द पूर्ण करने आयुक्त विश्वकर्मा के सख्त निर्देश

राजनांदगांव (विश्व परिवार)। साफ सफाई में गुणात्तम सुधार लाने तथा शहर में चल रहे निर्माण कार्यो को समय सीमा में पूर्ण कराने नगर निगम आयुक्त श्री अतुल विश्वकर्मा प्रतिदिन सुबह वार्डो में निरीक्षण कर रहे है। आज उनके द्वारा नंदई, इंदिरा नगर, सृष्टि कालोनी, गौरव पथ में साफ सफाई एवं निर्माण कार्य का जायजा लेकर सफाई में सुधार लाने तथा निर्माण कार्य में गति लाने के निर्देश स्वास्थ्य एवं तकनीकि अधिकारी को दिये।

सफाई निरीक्षण में आयुक्त श्री विश्वकर्मा ने नंदई के गलियो व सडकों की नियमित सफाई कर कचरा उठाने कहा। नंदई में नाला सफाई देख बारिश के पूर्व शहर के सभी नालो की सफाई कराने कहा। उन्होंने कहा कि जहॉ मेनुअल आवश्यकता है, वहॉ गैंग लगाकर एवं बड़े नालो की जे.सी.बी. व चैन माउंटेन से नाला सफाई करावे, जिससे बरसात में पानी भरान की स्थिति निर्मित न हो। सृष्टि कालोनी एवं अटल आवास क्षेत्र में साफ सफाई देख कहा कि कालोनी क्षेत्र में नियमित रूप से डोर टू डोर कचरा संग्रहण कर सत् प्रतिशत युजर चार्ज वसूली करे।

निर्माण कार्य निरीक्षण के दौरान आयुक्त श्री विश्वकर्मा ने सृष्टि कालोनी में क्षतिग्रस्त नाली मरम्मत कराने तथा पुलिया निर्माण करने संबंधित तकनीकि अधिकारी को निर्देशित किए। पाईप लाईन लिकेज पर मरम्मत करने कहा, उन्होंने कहा कि उक्त क्षेत्र के वाल्वमेन वाल खोलने के पश्चात निरीक्षण कर कम पानी आने, पाईप लाईन लिकेज आदि की अधिकारियों को जानकारी देवे। आयुक्त ने एजुकेशन हब निर्माण कार्य का जायजा लिया और रंग रोगन देख कहा कि निर्माण कार्य अंतिम चरण में है, कार्य में गति लाकर शेष कार्य जल्द पूर्ण किया जाए, ताकि शासन की मंशानुरूप विद्यार्थियों को इसका लाभ मिल सके। उन्होंने कहा कि सभी निर्माण कार्यो की अधिकारी सत्त मानिटरिंग करे एवं समय सीमा में पूर्ण कराना सुनिश्चित करे।

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

दैनिक
विश्व परिवार

बस्तर संभाग

रायपुर मंगलवार 13 मई 2025

संक्षिप्त समाचार

गरियाबंद पुलिस की स्वच्छता और सेवा की अनोखी पहल

गरियाबंद (विश्व परिवार)। स्वच्छ भारत मिशन के तहत, मैनपुर में अनुविभागीय अधिकारी पुलिस श्री विकास पाटले के नेतृत्व में एक स्वच्छता अभियान का आयोजन किया गया। इस अभियान में थाना प्रभारी, समस्त पुलिसकर्मी, ग्राम पंचायत के प्रतिनिधि, सरपंच, पंचगण, और गणमान्य नागरिकों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। बस स्टैंड, ग्राम पंचायत भवन से जिडार तिराहा चौक तक सड़कों और नालियों की सफाई कर स्वच्छता का संदेश दिया गया। इस अवसर पर नागरिकों को जागरूक किया गया और दुकानदारों से अपने दुकानों के सामने डस्टबिन रखने का आग्रह किया गया। साफ-सफाई के साथ, मातृत्व दिवस पर सामुदायिक सेवा की एक नई पहल की गई। थाना मैनपुर गेट के सामने 'नेकी की दीवार' का उद्घाटन मातृ शक्तियों से करवाया गया। इसका उद्देश्य जरूरतमंदों को कपड़े, जूते, खिलौने जैसी आवश्यक वस्तुएं उपलब्ध कराना है। कोई भी व्यक्ति अपने अप्रयुक्त वस्त्र, जूते या खिलौने यहां दान कर सकता है, जिससे जरूरतमंदों की मदद हो सके। इस पहल के माध्यम से गरियाबंद पुलिस न केवल कानून व्यवस्था बनाए रखने में बल्कि सामाजिक सेवा और सामुदायिक जुड़ाव में भी एक नई मिसाल कायम कर रही है।

गांव में आया भालू लोगों में दहशत

कांकेर(विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ के कांकेर जिले स्थित दशपुर गांव में बीती रात एक शादी वाले घर में भालू खाना खाने के लिए आ धमका. भालू को देखते ही वहां अफरा-तफरी मच गई. लोग डर से वहां से भागने लगे और घर के अंदर घुस गए. भालू ने घर के बाड़ी में रखा पूरा तेल पीकर चट कर दिया. इस दौरान लोगों ने घर की छत से उसका वीडियो बनाया जो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है. राहत की बात यह रही कि इस दौरान कोई भालू के हमले का शिकार नहीं हुआ. लेकिन आय-दिन इलाके में भालुओं के आने और ग्रामीणों पर हमले से लोगों में डर का माहौल है.इन दिनों भालू का आतंक दशपुर के ग्रामीणों के लिए चिंता का विषय बना हुआ है. स्थानीय लोगों के मुताबिक, भालू रोजाना शाम होते ही गांव की ओर आ जाता है, जिससे ग्रामीणों में भारी दहशत का माहौल है. कुछ दिन पहले भी भालू ने गांव के 2 ग्रामीणों पर हमला किया था.वन विभाग को इस घटना की जानकारी दे दी गई है, लेकिन अभी तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है. ग्रामीणों ने सुरक्षा के लिए तत्काल कदम उठाने की मांग की है.

ग्रामीणों के विरोध पर पुलिस ने की कार्रवाई तीन ट्रैक्टर जब्त

बलरामपुर(विश्व परिवार)। बलरामपुर-रामानुजगंज जिले के रामचंद्रपुर विकासखंड अंतर्गत ग्राम लिबरा की कन्हर नदी में झारखंड के लोगों द्वारा कई दिनों से अवैध रूप से रेत का उत्खनन किया जा रहा था। ग्रामीणों द्वारा लगातार विरोध के बावजूद यह अवैध गतिविधि नहीं रुक रही थी।

स्वच्छता का संकल्प: हर रविवार सफाई अभियान से चमकने लगा गरियाबंद

गरियाबंद (विश्व परिवार)। नगर पालिका अध्यक्ष रिखीराम यादव की पहल से नगर में स्वच्छता की नई अलख जगाई जा रही है। हर रविवार, जनप्रतिनिधियों और स्थानीय नागरिकों के सहयोग से स्वच्छता अभियान चलाकर नगर के प्रमुख स्थलों को साफ-सुथरा बनाया जा रहा है। इस पहल का उद्देश्य स्वच्छ और सुंदर गरियाबंद का सपना साकार करना है।

सफाई के साथ जागरूकता का संदेश- रविवार को नगर पालिका अध्यक्ष रिखीराम यादव के नेतृत्व में जिला अस्पताल परिसर में एक विशेष सफाई अभियान का आयोजन किया गया। इस अभियान में अध्यक्ष यादव, नगर पालिका उपाध्यक्ष आसिफमेमन, जिला भाजपा अध्यक्ष अनिल चंद्राकर, पूर्व नपा अध्यक्ष मिलेश्वरी साहू, सभापति सुरेंद्र सोनटेके, और कई अन्य जनप्रतिनिधियों के साथ स्थानीय नागरिक भी शामिल हुए। सभी ने मिलकर अस्पताल परिसर से कचरा और झाड़-झंखाड़ हटाकर इसे फिर से स्वच्छ और सुंदर बना दिया।

सपने को साकार करने का संकल्प- अध्यक्ष यादव ने कहा, स्वच्छ गरियाबंद का सपना तभी पूरा होगा, जब हर नागरिक इस मुहिम का हिस्सा बनेगा। हम चाहते हैं कि स्वच्छता सिर्फ एक अभियान न रहे, बल्कि नागरिकों की आदत बन जाए। उन्होंने सभी से अपील की कि वे इस अभियान से जुड़ें और अपने आसपास स्वच्छता बनाए रखें।

समर्पण और सहयोग का उदाहरण- नगर पालिका उपाध्यक्ष आसिफ मेमन ने कहा कि हर रविवार खुद अभियान में शामिल होकर अध्यक्ष यादव न केवल सफाई का संदेश दे रहे हैं, बल्कि नागरिकों और जनप्रतिनिधियों को प्रेरित भी कर रहे हैं। इससे नगर के विभिन्न क्षेत्रों में सफाई की जागरूकता बढ़ रही है और हर वार्ड स्वच्छता से जुड़ता जा रहा है।

बड़ी संख्या में लोगों की भागीदारी- इस अवसर पर अन्य जनप्रतिनिधियों, नगर पालिका के अधिकारियों और बड़ी संख्या में आम नागरिकों ने भाग लिया, जिनमें वरिष्ठ नागरिक हरीश भाई ठक्कर, प्रकाश यादव, विनोद नेताम, परमानंद नेताम, पुष्पा यादव, इंजीनियर अश्वनी वर्मा और कई अन्य शामिल थे।

पीएम आवास के हितग्राहियों को मिला आवास प्रमाण पत्र

सुकमा(विश्व परिवार)। सुशासन तिहार संवाद से समाधान के तहत कलेक्टर देवेश कुमार ध्रुव एवं सीईओ जिला पंचायत नम्रता जैन के द्वारा ग्राम पंचायत जीरमपाल, गाड़ीरास, मूर्तोंडा, नगारास, सोनाकुकनार, रामपुरम के पात्र हितग्राहियों को समाधान शिविर में प्राप्त आवेदन पत्रों का निराकरण करते हुए छत्तीसगढ़ राज्य महिला आयोग की सदस्य अधिवक्ता दीपिका शोरी, वरिष्ठ जनप्रतिनिधि धनीराम बारसे, दिलीप पेद्दी एवं जिला पंचायत सदस्य गीता कवासी, माड़े बारसे और जनपद पंचायत सुकमा के अध्यक्ष-उपाध्यक्ष के माध्यम से प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण की स्वीकृति पत्र वितरण कर, ग्रामीणों को प्रोत्साहित किया गया। इसके साथ ही सुशासन तिहार में प्राप्त आवेदनों का निराकरण करने संबंधी जानकारी प्रदान की गई।

भारत की ताकत का अहसास दुनिया ने भी किया है, हमें अपनी सेना पर गर्व है- रंजना साहू

भारत- पाक युद्ध पर रंजना साहू का बयान,कहा पाकिस्तान अपने वजूद को जूझेगा

धमतरी(विश्व परिवार)। आतंकियों के खिलाफ भारत के चलाए ऑपरेशन सिंदूर को लेकर अब जनप्रतिनिधियों नेताओं की प्रतिक्रिया आनी शुरू हो गई है. पूर्व विधायक रंजना साहू ने इसे भारत का बदला बताया है, देश को इस घड़ी का इंतजार था. प्रधानमंत्री ने इस घटना के बाद से लगातार योजना बनाकर काम किया और आज पाकिस्तान को सबक सिखाने के लिए, देश विरोधी ताकतों को नष्ट करने के लिए जो प्रयास किया,इसका इंतज़ार पूरा देश कर रहा था,और यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व का नया भारत है यह किसी से डरने और दबने वाला नहीं है,हमें भारत की सैन्य सेना पर गर्व है हमारे सशस्त्र बल हर मोर्चे पर भारत की रक्षा कर रहे हैं,अब दुनिया भी भारत की सैन्य शक्ति देखेगी और भारत फिर से दुनिया को अटल जी का वह संदेश दोहराएगा जब कारगिल युद्ध के दौरान तत्कालीन प्रधानमंत्री स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेयी ने कहा था हम शांति तो चाहते हैं ये दुनिया ने देखा होगा,पर हम शांति की रक्षा के लिए अपनी शक्ति का प्रदर्शन भी कर सकते हैं ये दुनिया अब देखेगी,उसी तरह वर्तमान में पाकिस्तान द्वारा नापाक हरकतें जो लगातार हो रही हैं पाकिस्तान को इसकी पाई पाई का हिसाब हमारी सेना दे रही है,प्रत्येक भारतवासी अपनी सेना का मनोबल बढ़ाते हुए खड़ा है।

मैनपुर पुलिस ने की साफ-सफाई, मातृत्व दिवस पर शुरू की नेकी की दीवार

गरियाबंद(विश्व परिवार)। जिले के मैनपुर में स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत एक सराहनीय पहल करते हुए अनुविभागीय अधिकारी पुलिस विकास पाटले के नेतृत्व में थाना मैनपुर के अधिकारी-कर्मचारियों ने ग्रामीणों और जनप्रतिनिधियों के साथ मिलकर सामुदायिक स्वच्छता अभियान चलाया। बस स्टैंड, जिडार तिराहा चौक, पंचायत भवन मार्ग सहित सड़क किनारे व नालियों की सफाई कर स्वच्छता के प्रति लोगों को जागरूक किया गया। इस दौरान दुकानदारों से अपील की गई कि वे अपने दुकानों के सामने डस्टबिन रखें और सफाई व्यवस्था में सहयोग करें। स्वच्छता के इस प्रयास के साथ-साथ मातृत्व दिवस के अवसर पर थाना मैनपुर गेट के सामने नेकी की दीवार का शुभारंभ किया गया, जिसका उद्घाटन मातृशक्ति द्वारा किया गया। इस दीवार का उद्देश्य जरूरतमंदों को कपड़े, जूते, खिलौने जैसी वस्तुएं उपलब्ध कराना है। कोई भी व्यक्ति अपने उपयोग में नहीं आने वाले समान जैसे कपड़े, जूते, खिलौने आदि यहां दान कर सकता है। यह पहल गरियाबंद पुलिस की सामुदायिक पुलिसिंग की दिशा में एक सकारात्मक कदम है, जो न केवल स्वच्छता को बढ़ावा देती है, बल्कि समाज के वंचित वर्ग के प्रति संवेदनशीलता भी दर्शाती है।

सीजी 23 वाहनों में एचएसआरपी नंबर प्लेट लगाने हेतु शिविरों का आयोजन प्रारंभ

गरियाबंद (विश्व परिवार)। जिले में 01 अप्रैल 2019 के पूर्व पंजीकृत समस्त प्रकार के सीजी23 वाहन, जैसे मोटरसायकल, कार, ऑटो, टैक्सी, हल्के व भारी मालवाहन, यात्री वाहन, और स्कूल बसों में एचएसआरपी (हाई सिक्योरिटी रजिस्ट्रेशन प्लेट) नंबर प्लेट लगाना अनिवार्य किया गया है। इस कार्य के सफल क्रियान्वयन एवं वाहन मालिकों की सुविधा हेतु परिवहन विभाग गरियाबंद द्वारा ब्लॉकवार विशेष शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। ये शिविर 12 मई 2025 से प्रारंभ होंगे और सुबह 9 बजे से शाम 5 बजे तक आयोजित किए जाएंगे।

शिविर का शेड्यूल निम्नानुसार है:

12 और 13 मई: मिनी स्टेडियम, शिशु मंदिर के पास, छुरा।

14 और 15 मई: नगर पंचायत के सामने, प्राथमिक शाला परिसर, फिंगेश्वर।

16 मई: वन विभाग परिसर, मेन रोड, मैनपुर।

एचएसआरपी नंबर प्लेट लगाने के शुल्क निम्न प्रकार हैं:

दो पहिया वाहन: ?366

तीन पहिया वाहन: ?427

चार पहिया वाहन: ?656

भारी वाहन: ?706

आवश्यक दस्तावेज: आवेदन के लिए वाहन मालिकों को निम्नलिखित दस्तावेज साथ लाने होंगे:

1. वाहन की आर.सी. बुक की प्रति।

2. आधार कार्ड की प्रति।

3. मोबाईल नंबर।

ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया: आवेदन ऑनलाईन पोर्टल के माध्यम से किया जाएगा। जो आवेदक पोर्टल चलाने में सक्षम नहीं हैं, उनके लिए शिविर में सीएससी या पीएसके सेंटर की सहायता उपलब्ध रहेगी। इन केंद्रों पर फार्म भरवाने के लिए 50 रुपए का अतिरिक्त शुल्क देना होगा।

वाहन मालिकों से अपील: जिला स्तर परिवहन अधिकारी ने आम जनमानस से अपील की है कि वे इन शिविरों का लाभ उठाएं और अपने वाहनों की एचएसआरपी नंबर प्लेट लगाने हेतु आवेदन सुनिश्चित करें।

नंबर प्लेट फिटमेंट प्रक्रिया: शिविर में आवेदित वाहनों की एचएसआरपी नंबर प्लेट अगले दिन ही फिट कर दी जाएगी, जिससे समय की बचत होगी और प्रक्रिया सरल बनेगी।

परिवहन विभाग का संदेश: परिवहन विभाग ने जिले के सभी वाहन मालिकों से इन शिविरों का अधिक से अधिक लाभ उठाने का आग्रह किया है, ताकि समय पर सभी वाहनों में एचएसआरपी नंबर प्लेट लगाई जा सके।

तेंदूपत्ता से आदिवासियों के सामाजिक और आर्थिक जीवन में आया बदलाव : वनमंत्री केदार कश्यप

कोण्डागांव(विश्व परिवार)। वनमंत्री केदार कश्यप ने कोण्डागांव क्षेत्र के गोलावंड में स्थित तेन्दुपत्ता फड़ का अवलोकन निरीक्षण कर संग्रहण कर्ताओं से भेंट किया और उनसे संवाद भी किया। भेंट करते हुए वन मंत्री केदार कश्यप ने संग्रहण कर्ताओं से कहा कि, साय सरकार बस्तर ही नहीं पूरे प्रदेश के तेन्दु पत्ता संग्रहकों को खुशी प्रदान कर रहे हैं। हमारी विष्णुदेव साय सरकार ने तेन्दुपत्ता का मूल्य बढ़ा कर हर एक पत्ता खरीदने का वादा किया था उसे हम पूरा कर रहे हैं। उन्होंने फड़ केंद्र में उपस्थित संग्रहण कर्ताओं को बताया कि कांग्रेस के शासन में तेन्दु पत्ता खरीदी कि क्या स्थिति थी ये मुझसे बेहतर आप लोग समझते और जानते हैं। हमारे प्रदेश की साय सरकार तेन्दुपत्ता सहित अन्य लघु वनोपज के खरीदी कर रही है। जिससे जनजाति समाज के जीवन में बदलाव देखने को मिल रहा है। वनमंत्री केदार कश्यप ने कहा कि तेन्दुपत्ता हमारे जनजाति क्षेत्र में रहने वाले आदिवासी परिवारों के लिये सोना के बराबर है। तेन्दुपत्ता से प्राप्त होने वाले धनराशि से कोई अपने बच्चों कि शादी करता है तो कोई आगे की पढ़ाई की व्यवस्था करता है। उन्होंने कहा कि तेन्दुपत्ता से आदिवासी समाज भावनात्मक रूप से जुड़ा है। आदिवासियों के हर और अधिकार पर कांग्रेस सरकार में यहाँ के एक पूर्व मंत्री ने डाका डालने का काम किया। कांग्रेस कार्यकाल बोनस पर जो डाका डालने का काम किया गया उसका हिसाब किताब साय सरकार पूरा ले रही है। केदार कश्यप ने कहा कि भाजपा सरकार आदिवासियों के हर एक पत्ते को अपने वादे के अनुसार 5500 रुपय प्रति क्विंटल मानक बोरा ही ख़रीदेगी। उन्होंने कहा कि तेंदूपत्ता संग्रहण दर में बढ़ोतरी से 12 लाख 50 हजार संग्राहक परिवारों को सीधा लाभ मिलेगा। संग्रहण दर में बढ़ोतरी से संग्राहक भाई-बहनों को 240 करोड़ रुपए की अतिरिक्त आय होने की संभावना है। केदार कश्यप ने कहा कि साय सरकार गांव, गरीब, आदिवासी, किसानों, महिलाओं और युवाओं की चिंता करने वाली सरकार है। छत्तीसगढ़ की समृद्धि और खुशहाली की गारंटियां आज पूरा हो रहा है।

सुशासन तिहार में आई एक अनोखी मांग

गरियाबंद(विश्व परिवार)। सुशासन तिहार के दौरान जहां आमतौर पर प्रशासनिक समस्याएं और बुनियादी सुविधाओं की मांगें सामने आती हैं, वहीं इस बार आयोजन में एक अनोखा और मानवीय पहलू भी देखने को मिला। 36 वर्षीय चंदन साहनी नामक युवक ने शासन से जीवनसाथी की मांग करते हुए यह इच्छा जाहिर की कि वह किसी विधवा, तलाकशुदा या अनाथ महिला से विवाह करना चाहता है। यह मांग न केवल व्यक्तिगत आवश्यकता को दर्शाती है, बल्कि यह भी दिखाती है कि आज के युवा सामाजिक हाशिए पर मौजूद महिलाओं को सम्मान और जीवन में एक नई शुरुआत देने के लिए आगे आ रहे हैं। चंदन साहनी की यह सोच समाज में सकारात्मक बदलाव की ओर एक छोटा लेकिन महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है। महिला एवं बाल विकास विभाग ने इस आवेदन को गंभीरता से लेते हुए चंदन को उपयुक्त योजनाओं से जोड़ने और जरूरी मार्गदर्शन देने का आश्वासन दिया है। विभाग का यह रुख यह दर्शाता है कि सरकार अब केवल प्रशासनिक व्यवस्था तक सीमित नहीं है, बल्कि जनभावनाओं और सामाजिक मुद्दों को भी समान रूप से महत्व दे रही है।

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

दैनिक
विश्व परिवार

खेल-व्यापार

रायपुर मंगलवार 13 मई 2025

व्यापार समाचार

अप्रैल में भारतीय फार्मा बाजार में 7.8 प्रतिशत राजस्व वृद्धि : रिपोर्ट

नई दिल्ली(एजेंसी)। भारत के फार्मास्यूटिकल बाजार (आईपीएम) ने इस साल अप्रैल में राजस्व में 7.8 प्रतिशत की वृद्धि जारी रखी। यह जानकारी गुरुवार को आई एक रिपोर्ट में दी गई। रेटिंग एजेंसी इंडिया रेटिंग्स एंड रिसर्च (इंड-रा) की रिपोर्ट के अनुसार, कंपनियों की मूल्य वृद्धि की वजह से यह वृद्धि दर्ज की गई है, जिसमें वॉल्यूम में 1.3 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। लगभग सभी प्रमुख क्रॉनिक थेरेपी ने भी सकारात्मक वैल्यू और वॉल्यूम वृद्धि दर्ज करवाई है। इंड-रा के कॉरपोरेट रेटिंग्स के निदेशक निशीथ सांघवी ने कहा, इंड-रा को उम्मीद है कि वित्त वर्ष 2026 के दौरान आईपीएम में सात से आठ प्रतिशत की वृद्धि होगी, जिसमें क्रॉनिक थेरेपी में निरंतर वृद्धि की गति होगी। यह निरंतर वृद्धि मूल्य वृद्धि और नए उत्पादों के लॉन्च के साथ देखी जा सकेगी। रिपोर्ट से पता चला है कि एंटी-डायबिटिक सेगमेंट में जेनेरिकाइजेशन अवसरों के कारण अप्रैल में वॉल्यूम वृद्धि सालाना आधार पर 2.8 प्रतिशत रही। प्रमुख थैरेपी जैसे कि गैस्ट्रो-इंटेस्टाइनल में 5.5 प्रतिशत, डर्मा में 3.1 प्रतिशत और कार्डियक में 2.2 प्रतिशत की वॉल्यूम वृद्धि भी दर्ज की गई। इसके अलावा, अप्रैल 2025 में स्थिर प्रदर्शन रहा, जहां सभी थैरेपी में मूल्य वृद्धि देखी गई। कार्डियक, गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल, एंटी-डायबिटिक और डर्मा जैसी थैरेपी में आईपीएम की तुलना में वॉल्यूम में अधिक वृद्धि देखी गई। गैस्ट्रो-इंटेस्टाइनल, विटामिन, दर्द/एनाल्जेसिक और एंटी-इंफेक्टिव जैसी अक्यूट थैरेपी में क्रमश: 10.1 प्रतिशत, 7.5 प्रतिशत, 8.5 प्रतिशत और 6.5 प्रतिशत की बिक्री वृद्धि देखी गई। डर्मा, कार्डियक, एंटी-डायबिटिक और सीएनएस जैसी क्रॉनिक थैरेपी में क्रमश: 10.8 प्रतिशत, 10.6 प्रतिशत, 7.7 प्रतिशत और 9.1 प्रतिशत की वृद्धि हुई। इंड-रा की मार्च रिपोर्ट से पता चला है कि एक्यूट सेगमेंट की बिक्री में सालाना आधार पर 6.4 प्रतिशत की वृद्धि हुई। कार्डियक (आईपीएम का 13.4 प्रतिशत क्रोनिक), एंटी-इंफेक्टिव (11.7 प्रतिशत एक्यूट), गैस्ट्रो-इंटेस्टाइनल (12.1 प्रतिशत एक्यूट), एंटी-डायबिटिक (9.2 प्रतिशत क्रोनिक) और विटामिन (9.0 प्रतिशत एक्यूट) ने मार्च 2025 में आईपीएम में 55 प्रतिशत का योगदान दिया।

ओपनएआई ने चैटजीपीटी सर्च को लेकर पेश किए नए सुधार

नई दिल्ली(एजेंसी)। ओपनएआई ने मंगलवार को चैटजीपीटी सर्च को लेकर कई नए सुधारों को पेश करने की घोषणा की। इसमें यूजर के लिए बेहतर शॉपिंग एक्सपीरियंस को भी शामिल किया गया है। सर्च चैटजीपीटी के सबसे लोकप्रिय फीचर्स में से एक है। पिछले हफ्ते में ही 1 बिलियन से अधिक वेब सर्च रिकॉर्ड किए गए हैं। सैम ऑल्टमैन द्वारा संचालित कंपनी ने कहा, चैटजीपीटी यूजर्स अब किसी प्रोडक्ट को सर्च करने से लेकर प्रोडक्ट की खरीदारी तक कर सकते हैं। इसके अलावा, यूजर्स के लिए प्रोडक्ट कंपेयर करने की सुविधा भी मौजूद है। यूजर्स के पास पर्सनलाइज्ड रिकमेंडेशन, विजुअल प्रोडक्ट डिटेल्स, प्राइसिंग, प्रोडक्ट रिव्यू और खरीदारी के डायरेक्ट लिंक की सुविधा मौजूद होगी। कंपनी ने आगे कहा कि प्रोडक्ट से जुड़े रिजल्ट स्वतंत्र रूप से चुने जाते हैं और विज्ञापन नहीं होते हैं। ओपनएआई ने कहा, चैटजीपीटी में व्यापार अभी भी शुरुआती चरण में है और हम व्यापारियों को अपनी यात्रा में शामिल करना जारी रखेंगे क्योंकि हम तेजी से सीखने पर ध्यान देते हैं। शॉपिंग को लेकर इन नए सुधारों को हर उस बाजार के लिए लाया जा रहा है, जहां चैटजीपीटी उपलब्ध है। इसके साथ ही यह सुविधा प्लस, प्रो, फ्री और लॉग-आउट यूजर्स के लिए लाई जा रही है। ओपनएआई के अनुसार, मेमोरी जल्द ही सर्च और शॉपिंग के साथ काम करेगी। इसका मतलब है कि चैटजीपीटी यूजर के साथ पहले हुई बातचीत से कॉन्टेक्स्ट समझने की कोशिश करेगा, ताकि यूजर के लिए बेहतर जवाब पेश कर सके। कंपनी ने कहा, यूजर का चैटजीपीटी की मेमोरी पर पूरा कंट्रोल होगा, जिसे सेटिंग में जाकर किसी भी समय अपडेट किया जा सकेगा। हम इसे कुछ ही हफ्तों में रोलआउट करने की योजना बना रहे हैं। यह ईईए, यूके, स्विटजरलैंड, नॉर्वे, आइसलैंड और लिकटेंस्टीन को छोड़कर सभी प्लस और प्रो यूजर्स के लिए होगा। चैटजीपीटी को व्हाट्सएप मैसेज भेजकर अप-टू-डेट जवाब पाया जा सकता है। यह सुविधा चैटजीपीटी के साथ सभी यूजर्स के लिए उपलब्ध है। इसके अलावा, व्हाट्सएप इंटीग्रेशन के बारे में अधिक जानकारी ली जा सकती है और क्यूआर कोड की मदद से व्हाट्सएप कॉन्टैक्ट में चैटजीपीटी को जोड़ा जा सकता है। चैटजीपीटी अब किसी दिए गए विचार के लिए कई साइटेशन शामिल कर सकता है ताकि यूजर्स जवाबों के बारे में अधिक जानकारी ले सकें और साथ ही अलग-अलग सोर्स से जानकारियों को वेरिफाई कर सकें। कंपनी का कहना है कि जवाब में किस साइटेशन को कहां से लिया गया है, इसे अलग से ज्यादा स्पष्ट तरीके से दिखाने के लिए एक नए हाइलाइट यूआई को भी लाया गया है।

राजस्थान में होम ब्रॉडबैंड पर जियो का दबदबा

जयपुर(एजेंसी)। राजस्थान में होम ब्रॉडबैंड सेवाओं के क्षेत्र में रिलायंस जियो ने अपनी स्थिति और भी मज़बूत की है। टेलीकॉम रेग्युलेटरी अथॉरिटी ऑफ इंडिया (ट्राई) द्वारा मार्च 2025 के लिए जारी ताजा आंकड़ों के अनुसार, जियो एयर फाइबर और जियो फाइबर सेवाओं के माध्यम से राज्य में जियो के ब्रॉडबैंड ग्राहकों की संख्या 7.7 लाख के पार पहुँच चुकी है। जियो एयर फाइबर ने राजस्थान में 5जी फिक्सड वायरलेस एक्सेस (एफडब्लूए) सेगमेंट में 3 लाख ग्राहकों का आंकड़ा पार कर लिया है। यह संख्या निकटतम प्रतिस्पर्धी के मुकाबले चार गुना अधिक है, जिसकी ग्राहक संख्या 73,743 है। मार्च 2025 में राजस्थान में कुल 5जी एफडब्लूए या एयर फाइबर ग्राहकों की संख्या 3.74 लाख से अधिक रही, जिसमें जियो ने 80 प्रतिशत से अधिक ग्राहक हिस्सेदारी के साथ नेतृत्व किया। वायर्ड ब्रॉडबैंड श्रेणी में भी जियो अग्रणी बना हुआ है, जहां जियो फाइबर के माध्यम से 4.71 लाख से अधिक घर और व्यावसायिक प्रतिष्ठान हाई-स्पीड इंटरनेट, अनलिमिटेड वाई-फाई और प्रीमियम होम एंटरटेनमेंट का लाभ उठा रहे हैं। इस श्रेणी में निकटतम प्रतिस्पर्धी 3.25 लाख ग्राहकों के साथ काफी पीछे है। जियो की वायरलाइन और फिक्स्ड वायरलेस सेवाओं को मिलाकर कुल ग्राहक संख्या 7.71 लाख हो गई है, जो निकटतम प्रतिस्पर्धी से लगभग दोगुनी है और जिसकी ग्राहक संख्या 3.98 लाख है।

टीम इंडिया के नए टेस्ट कप्तान और उप-कप्तान का नाम आया सामने

बुमराह का कटा पत्ता!

नईदिल्ली(एजेंसी)। भारत और इंग्लैंड के बीच 5 मैचों की टेस्ट सीरीज 20 जून से शुरू होने वाली है. उससे पहले बीसीसीआई को टीम इंडिया के नया कप्तान का ऐलान करना जरूरी है. जैसे जैसे वक्त गुजरता जा रहा है वैसे वैसे फैंस के बीच अटकलें भी बढ़ती जा रही हैं, कि टीम इंडिया का अगला टेस्ट कप्तान शुभमन गिल होंगे और उप-कप्तान ऋषभ पंत होंगे. लेकिन बीसीसीआई की तरफ से अभी तक कोई भी आधिकारिक सूचना नहीं दी गई है. रिपोर्ट्स की मानें तो बीसीसीआई ने प्रतिभाशाली बल्लेबाज शुभमन गिल को क्रिकेट के सबसे लंबे फॉर्मेट के लिए राष्ट्रीय टीम की कमान सौंपने का मन बना लिया है. भारतीय टेस्ट टीम के भविष्य को देखते हुए 25 वर्षीय शुभमन गिल टेस्ट कप्तानी की रेस में सबसे आगे हैं. गिल को बीसीसीआई ने हाल ही में वनडे टीम में उप-कप्तान बनाया था. गिल ने टी20 में टीम इंडिया की कप्तानी की हैं. लेकिन उन्होंने कभी टेस्ट मैचों या वनडे में कप्तानी नहीं की है. गिल ने आईपीएल 2024 में गुजरात टाइटन्स की कप्तानी का भार संभाला था. गिल ने दिसंबर 2020 में क्रिकेट में पदार्पण किया. उन्होंने अब तक 32 टेस्ट मैचों की 59 पारियों में 5 शतक और 7 अर्धशतकों के साथ कुल 1893 रन बनाए हैं. इस बीच ये भी खबर सामने आ रही है कि टीम के विकेट कीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत टेस्ट में भारत के नए उप-कप्तान होंगे. पंत का चयन सीधा-सादा लगता है, क्योंकि वो विदेशी परिस्थितियों में भारत के सबसे बेहतरीन टेस्ट बल्लेबाजों में से एक हैं. ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड और दक्षिण अफ्रीका में शतकों के साथ 42 से अधिक की औसत और 90 और 99 के बीच सात स्कोर के साथ पंत इस प्रारूप में सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाजों में से एक हैं. पंत ने 43 टेस्ट मैचों में 2948 की औसत से 2948 रन बनाए हैं. साथ ही, आक्रामकता के साथ रन बनाने का उनका इरादा और विकेट के पीछे से उनके बहुमूल्य इनपुट नेतृत्व की भूमिका के पक्ष में काम करेंगे. अगर शुभमन गिल नए कप्तान बनते है तो फिर जसप्रीत बुमराह को सीनियरटी के कारण उप-कप्तान की भूमिका के लिए नहीं चुना जा सकता है. इस के अलावा उनकी खुद की फिटनेस भी सवालों के घेरे में रहती है और उनका पूरी श्रृंखला के लिए खेलना अनिश्चित है. बीसीसीआई के एक सूत्र ने बताया, अगर बुमराह कप्तान नहीं हैं, तो उन्हें उप-कप्तानी देने का कोई मतलब नहीं है. बीसीसीआई के एक सूत्र ने ये भी कहा, यह सच है कि चयनकर्ताओं ने इंग्लैंड सीरीज के लिए कोहली को भारतीय कप्तान बनाने के बारे में सोचा था. इससे गिल को नेतृत्व की भूमिका में ढलने के लिए कुछ समय मिल जाता, लेकिन 25 साल की उम्र में वह अपने चरम पर पहुंच चुके हैं. बुमराह की फिटनेस समस्याओं के कारण, गिल चयन समिति के लिए स्पष्ट पसंद लग रहे हैं.

टी-20 में हुआ नया अजूबा! 10 बल्लेबाज हुए रिटायर्ड आउट, फिर 163 रनों से जीता मैच

बैंकॉक(एजेंसी)। इंग्लैंड में खेले जाने वाले 2026 महिला टी20 विश्व कप का एशिया क्वालीफायर मैच संयुक्त अरब अमीरात और कतर के बीच खेला गया. थाईलैंड के बैंकॉक में खेले गए मैच में बारिश की आशंका थी, लेकिन यूएई को ये मैच जीतना बहुत जरूरी था. इसलिए उन्होंने कतर के खिलाफ 16 ओवर में 192-0 का स्कोर बनाया और तमाम खिलाड़ियों को रिटायर्ड आउट करा दिया. टी20 क्रिकेट में ऐसा पहली बार हुआ जब एक टीम के तमाम बल्लेबाज रिटायर्ड आउट हुए हों. टेस्ट में कोई भी टीम समय बचाने के लिए पारी घोषित कर सकती है, लेकिन टी20 में पारी घोषित करने की अनुमति नहीं है. इस लिए यूएई ने तमाम खिलाड़ियों को रिटायर्ड आउट करा दिया. जिससे पुरुष और महिला क्रिकेट में ऐसा करने का नया रिकॉर्ड बन गया. यूएई क्रिकेट टीम के दो सलामी बल्लेबाज, कप्तान ईशा ओजा 113 और बाएं हाथ की बल्लेबाज तीर्था सतीश 74 रन बनाकर रिटायर्ड आउट हुईं. उसके बाद बाकी बल्लेबाज क्रीज पर आए और कोच अहमद रजा के निर्देश पर रिटायर्ड आउट होकर पवेलियन लौट गए. जिसकी वजह से यूएई 16 ओवर में 192 रन पर ऑल आउट हो गया, लेकिन कतर का कोई भी गेंदबाज एक भी विकेट नहीं ले सका.

भारत-पाकिस्तान सीजफायर के बाद आईपीएल पर आया बड़ा अपडेट, जल्द शुरू होगा टूर्नामेंट

नई दिल्ली(एजेंसी)। भारत-पाकिस्तान तनाव के बीच बीसीसीआई ने 9 मई को आईपीएल को एक हफ्ते के लिए स्थगित करने का फैसला किया था. लेकिन 10 मई को दोनों देशों के बीच हुए सीजफायर से आईपीएल के बचे हुए 17 मैचों को दोबारा शुरू करने की चर्चा तेज हो गई है. बीसीसीआई उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला ने कहा, युद्ध रुक गया है, नई स्थिति में बीसीसीआई के पदाधिकारी, अधिकारी और आईपीएल गवर्निंग काउंसिल कल (रविवार) इस मामले पर चर्चा करेंगे और फैसला लेंगे. हम देखेंगे कि टूर्नामेंट को पूरा करने के लिए सबसे अच्छा कार्यक्रम कौन सा हो सकता है. ऐसी अटकलें लगाई जा रही थीं कि टूर्नामेंट को दक्षिण भारतीय शहरों चेन्नई, बेंगलुरु और हैदराबाद में आयोजित किया जा सकता है, लेकिन शुक्ला ने कहा कि ऐसा विकल्प शायद सैन्य संघर्ष जारी रहने की स्थिति में बेहतर हो. शुक्ला ने कहा, जब युद्ध चल रहा था, तब यह एक विकल्प था. कई विकल्पों पर चर्चा की गई है. युद्ध विराम की घोषणा अभी की गई है, हमें कुछ समय दीजिए, हम चर्चा करेंगे और उसके बाद ही कोई निर्णय लिया जाएगा. आईपीएल चेयरमैन अरुण धूमल ने भी सभी फ्रेंचाइजी तक टूर्नामेंट को जल्द शुरू करने का संदेश पहुंचा दिया गया है. धूमल ने कहा कि आईपीएल को फिर से शुरू करने के सभी संभावित परिदृश्यों की जल्द ही समीक्षा की जा रही है.

बॉलीवुड के बादशाह शाहरुख़ ख़ान कहते है, जीने के लिए दोस्त, जरूरी है फैंटेसी

रायपुर। सनफीस्ट डार्क फैंटेसी ने अपनी नई ब्रांड पहल 'फैंटेसी ज़रूरी है' की शुरुआत की है। इस अभियान के केंद्र में एक प्रेरणादायक हिंदी कविता है, जिसे एक फिल्म के रूप में प्रस्तुत किया गया है। यह कविता फैंटेसी के कई पहलुओं को खूबसूरती से दर्शाती है, फैंटेसी क्या होती है, यह कहाँ बसती है, कैसे सामने आती है और हमारी ज़िंदगी में इसकी क्या अहमियत है। राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित गीतकार और पार्श्वगायक स्वानंद किरकिरे द्वारा लिखी गई और बॉलीवुड के बादशाह शाहरुख़ ख़ान द्वारा सुनाई गई यह कविता श्रोताओं को रोजमर्रा की जिंदगी की एकरसता से निकालकर कल्पना की असीम दुनिया में ले जाती है, एक ऐसी यात्रा जो मन को रोमांचित भी करती है और सोचने पर मजबूर भी। अपने ब्रांड संदेश हर दिल की फैंटेसी के अनुरूप, सनफीस्ट डार्क फैंटेसी उन अनगिनत तरीकों का जश्न मनाता है, जिनके माध्यम से लोग कल्पना करते हैं, अपनी दुनिया से बाहर निकलते हैं

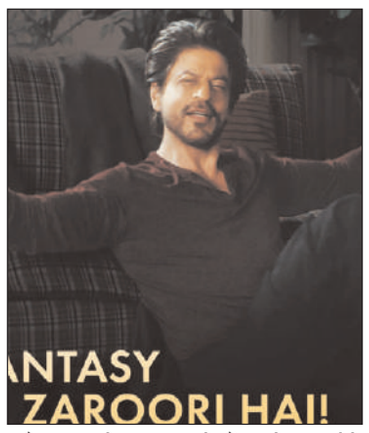

और खुद को व्यक्त करते हैं, चाहे वह छोटे पलों में हो या बड़े मौकों पर। ट्रैफ़िक जाम से लेकर अंतरिक्ष की लड़ाइयों तक, ऑफ़िस की एकरसता से लेकर परीकथाओं जैसे बदलावों तक, यह फिल्म फैंटेसी के अनेक रूपों को दर्शाती है, जो व्यक्तिगत होते हुए भी सभी के दिल से जुड़ते हैं। चाहे कोई बादलों में महलों की रचना कर रहा हो या कॉफी ब्रेक के बीच किसी और दुनिया में खो रहा हो, यह फैंटेसी कविता हमें खूबसूरती से याद दिलाती है कि फैंटेसी हमारे भीतर ही कहीं चुपचाप मौजूद रहती है, बस जागने का इंतज़ार करती है। आईटीसी लिमिटेड के बिस्किट्स और केक क्लस्टर, फूड्स डिवीजन के चीफऑपरेटिंग ऑफ़िसर अली हैरिस शेर ने कहा, फैंटेसी गहरे तौर पर व्यक्तिगत होती है, फिर भी यह सार्वभौमिक रूप से प्रासंगिक है। 'फैंटेसी ज़रूरी है' के साथ, हम डार्क फैंटेसी में लोगों को उनके रोजमर्रा के जीवन से बाहर निकलने और उनकी ज़िंदगी में फैंटेसी के रूप में एक परिवर्तनकारी अनुभव को फिर से महसूस करने का निमंत्रण दे रहे हैं। आज की इस हमेशा जुड़ी हुई दुनिया में, फैंटेसी के पल हमारी आत्मा को ताजगी देने और हमारी इंद्रियों को फिर से जागृत करने के लिए बेहद महत्वपूर्ण हैं। यह पहल, जो खुद फैंटेसी के बादशाह शाहरुख ख़ान के नेतृत्व में है, उस साझा मानवता की भावना को ट्रिब्यूट है।

केनरा रोबेको ने लॉन्च किया केनरा रोबेको मल्टी एसेट एलोकेशन फंड

मुंबई: भारत के दूसरे सबसे पुराने एसेट मैनेजर, केनरा रोबेको म्यूचुअल फंड ने आज केनरा रोबेको मल्टी एसेट एलोकेशन फंड के लॉन्च का ऐलान किया है। यह एक ओपन-एंडेड हाइब्रिड फंड है जिसका लक्ष्य बाजार के अच्छे प्रदर्शन के समय अल्फा रिटर्न हासिल करना और बाजार के खराब दौर में नुकसान की संभावना को कम करना है। यह फंड एक ओपन-एंडेड स्कीम है जो इक्विटी और इक्विटी से जुड़े इंस्ट्रूमेंट, डेट और मनी मार्केट इंस्ट्रूमेंट, गोल्ड ईटीएफ और सिल्वर ईटीएफमें निवेश करती है। इसकी मल्टी असेट एलोकेशन रणनीति का लक्ष्य सभी तरह की बाजार स्थितियों में बेहतर परिणाम हासिल करना है।यह फंड बदलती आर्थिक स्थितियों, अर्निंग मोमेंटम, मार्केट वैल्यूएशन और इक्विटी रिस्क प्रीमियमको ध्यान में रखते हुए समय-समय पर असेट क्लॉस की समीक्षा करता रहेगाजिससे पोर्टफोलियो को संतुलित रखने में आसानी होगी। नया फंड ऑफर सब्सक्रिप्शन के लिए 9 मई, 2025 को खुलेगा और 23 मई, 2025 को बंद होगा। केनरा रोबेको एसेट मैनेजमेंट कंपनी लिमिटेड के चीफएक्जीक्यूटिव ऑफीसर, श्री रजनीश नरूला ने कहा, केनरा रोबेको मल्टी एसेट एलोकेशन फंड के लॉन्च से न केवल हमारे प्रोडक्ट पोर्टफोलियो का विस्तार होगा, बल्कि यह निवेशकों को बाजार की नई-नई जरूरतों को पूरा करने के लिए अलग-अलग तरह के समाधान प्रदान करने की हमारी क्षमता को भी बढ़ाएगा। हमारा लक्ष्यनिवेशकों के लिए लगातार नए फंड विकसित करना और उन्हें मजबूत पोर्टफोलियो बनाने में सहायता करना है।हम निवेशकों के वित्तीय लक्ष्यों के मुताबिकप्रोडक्ट विकसित करने के साथ ही इनमें लगातार सुधार करते रहतेहैं और उत्कृष्टता की अपनी संस्कृति पर फोकस बनाए रखते हैं। इस स्कीम के तहत कुल असेट का 65-80त्न हिस्सा इक्विटी और इक्विटी इंस्ट्रूमेंट्स में, 10-25त्न हिस्सा गोल्ड और सिल्वर ईटीएफमें और 10-25त्न हिस्सा डेट और मनी मार्केट इंस्ट्रूमेंट्स में लगाया जाएगा।

दुर्ग में मूलभूत शिक्षा को बदलने वाले शिक्षकों का सम्मान

दुर्ग। बच्चों की शिक्षा के क्षेत्र में काम कर रही प्रमुख गैर-सरकारी संस्था विभा ने 'विभा गाइडिंग लाइट्स' पहल के तहत दुर्ग जिले में शिक्षक सम्मान समारोह का आयोजन किया। यह कार्यक्रम दुर्ग जिले में नींव परियोजना के तहत लैंग्वेज एंड लर्निंग फाउंडेशन (एलएलएफ) के सहयोग से शुरू किया गया है। इसका उद्देश्य उन शिक्षकों को सम्मानित करना है जो बुनियादी साक्षरता और गणना (एलएलएन) के क्षेत्र में बदलाव ला रहे हैं। इस आयोजन में 25 उत्कृष्ट शिक्षकों और 50 समर्पित सामुदायिक शैक्षणिक समन्वयकों (सीएसीएस) को उनके बुनियादी शिक्षा में दिए जा रहे महत्वपूर्ण योगदान के लिए सम्मानित किया गया। ये शिक्षक नवाचारी शिक्षण विधियों को अपनाने, छात्र-केंद्रित शिक्षा को बढ़ावा देने और अपने समुदायों में मार्गदर्शन देने के लिए अग्रणी रहे हैं। इनके प्रयास दुर्ग की शिक्षा व्यवस्था को नया रूप दे रहे हैं

और हर बच्चे के शैक्षणिक भविष्य की मजबूत नींव रख रहे हैं। समारोह में कई विशिष्ट अतिथि उपस्थित रहे, जिनमें (एससीइआरटी) के अतिरिक्त निदेशक श्री जे.पी. राठ, (एससीइआरटी) के व्याख्याता डॉ. बी. रघु, और (एससीइआरटी) के सदस्य दकेश्वर वर्मा और सुनील कुमार मिश्रा शामिल थे। ज़िले के अन्य अधिकारी भी इस आयोजन में शामिल हुए और इस प्रभावशाली पहल का समर्थन किया। उनकी उपस्थिति ने यह दर्शाया कि बुनियादी शिक्षा में बदलाव लाने वाले शिक्षकों को पहचान देना कितना महत्वपूर्ण है। शिक्षक सम्मान कार्यक्रम की एक बड़ी विशेषता यह रही कि यह पूरी तरह से सरकारी प्रक्रिया के साथ जुड़ा रहा। पुरस्कार विजेताओं का चयन पूरी तरह सरकारी अधिकारियों के नेतृत्व और विशेषज्ञता में किया गया, जिससे पारदर्शिता, विश्वसनीयता और ज़िले के शैक्षिक लक्ष्यों के साथ संरेखण सुनिश्चित हुआ। समग्र शिक्षा, दुर्ग के जिला मिशन कोऑर्डिनेटर श्री सुरेन्द्र पांडे ने कहा, यह पुरस्कार शिक्षकों को अपने उत्कृष्ट कार्य को दिखाने का अवसर देता है। मूल्यांकन के लिए एक मज़बूत टीम बनाई गई थी और गहन मूल्यांकन के बाद हमने 50 शिक्षकों और कुछ क्लस्टर कोऑर्डिनेटर्स को सम्मानित करने के लिए चुना। सम्मान चाहे बच्चों को मिले या बड़ों को, हमेशा प्रेरणा देता है। इस पहल की सफलता की नींव विभा और (एलएलएफ) के बीच लंबे समय से चली आ रही साझेदारी में है। 2019 से यह सहयोग शुरुआती कक्षाओं में बुनियादी शिक्षा को बेहतर करने के लिए काम कर रहा है। पहले यह कार्यक्रम 50 स्कूलों में था, लेकिन अप्रैल 2023 में इसे बढ़ाकर दुर्ग के सभी 583 स्कूलों तक पहुंचाया गया। (एलएलएफ) के संस्थापक और कार्यकारी निदेशक डॉ. धीर झिंगरान के नेतृत्व में नींव कार्यक्रम ने शिक्षकों और सीएसीएस को संरचित शिक्षक गाइड, प्रमाणन पाठ्यक्रम, सुधार रणनीतियां और निरंतर फील्ड सपोर्ट प्रदान किया। विभा सिर्फएक फंडिंग संस्था नहीं रही, बल्कि एक रणनीतिक साझेदार के रूप में (एलएलएफ) और सरकार के साथ मिलकर यह सुनिश्चित करती रही कि सिद्ध प्रयासों को प्रभावी रूप से लागू और निगरानी की जाए ताकि दीर्घकालिक प्रभाव सुनिश्चित हो सके। विभा गाइडिंग लाइट्स पहल केवल एक पुरस्कार समारोह नहीं, बल्कि एक ऐसा आंदोलन है जो यह विश्वास जताता है कि शिक्षक शिक्षा में बदलाव लाने की अद्भुत शक्ति रखते हैं।

मोर आवास मोर अधिकार

सुशासन तिहार 2025

प्रधानमंत्री **श्री नरेन्द्र मोदी** बिलासपुर में
प्रधानमंत्री आवास की चाबी सौंपते हुए

मुख्य अतिथि
श्री शिवराज सिंह चौहान जी
माननीय मंत्री, ग्रामीण विकास एवं
कृषि व किसान कल्याण, भारत सरकार

अध्यक्षता
श्री विष्णु देव साय जी
माननीय मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़ शासन

सशक्त गांव, समृद्ध छत्तीसगढ़
लोकार्पण, वितरण एवं सम्मान समारोह

प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण)
51,000 हितग्राहियों का गृह प्रवेश

प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना
सरगुजा संभाग अंतर्गत प्रधानमंत्री जनजाति आदिवासी न्याय महाअभियान तहत
जिला-सरगुजा, जशपुर एवं बलरामपुर की कुल 24 बसाहटों हेतु
21 सड़क, लंबाई 58.96 कि.मी. I राशि 4141.94 लाख

13 मई 2025 I दोपहर 01:00 बजे से
स्थान : शासकीय पी.जी. कॉलेज मैदान, अम्बिकापुर

अन्य मंचीय कार्यक्रम

- प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) अंतर्गत वर्ष 2025-26 हेतु अतिरिक्त लक्ष्य आबंटन
- अमृत सरोवर पोर्टल, ऑब्ज़र्वेटरी एवं एप्लिकेशन का लोकार्पण
- GIZ INDIA एवं IIT DELHI द्वारा अमृत सरोवर पर इम्पैक्ट असेसमेंट स्टडी की रिपोर्ट सौंपना
- दीनदयाल उपाध्याय ग्रामीण कौशल विकास योजना 2.0 के परियोजना दिशा-निर्देशों का लोकार्पण
- पीएम आवास योजना (ग्रामीण) एवं पीएम जनमन के अंतर्गत स्वीकृत आवासों का भूमिपूजन एवं स्वीकृति पत्र वितरण
- महिला स्वयं सहायता समूहों को निर्माण सामग्री की किट का वितरण
- उत्कृष्ट कार्य करने वाली कैडर दीदी एवं लखपति दीदियों का सम्मान

SAMVAD- 43798/102

QR स्कैन करें

आइए, छत्तीसगढ़ की इस विकास यात्रा के साक्षी बनें।

ChhattisgarhCMO DPRChhattisgarh www.dprcg.gov.in

छत्तीसगढ़ जनसंपर्क